● वर्ष-3
● अंक-146
रायपुर, शुक्रवार
26 जनवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

ज्ञानवापी में हिंदू मंदिर मौजूद था, तहखाने में मूर्ति भी मिली

एएसआई सर्वे की रिपोर्ट में खुलासा

लखनऊ। ज्ञानवापी मस्जिद के परिसर की एएसआई सर्वे की रिपोर्ट को लेकर हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कई दावे किए हैं. गुरुवार को उन्होंने एएसआई की सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक की और कहा कि रिपोर्ट में सामने आया है कि ज्ञानवापी में पहले हिंदू मंदिर था. उन्होंने कहा कि जिला जज के नकल विभाग कार्यालय ने उन्हें ज्ञानवापी मस्जिद की एएसआई सर्वे रिपोर्ट सौंप दी है. इस रिपोर्ट के कुल पन्नों की संख्या 839 बताई जा रही है. इस रिपोर्ट को लेकर गुरुवार को विष्णु शंकर ने प्रेस कांफ्रेंस की. दरअसल, कोर्ट के आदेश के बाद ज्ञानवापी परिसर का एएसआई सर्वे कराया गया था. 18 दिसंबर को एएसआई ने जिला जज की अदालत में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी. इसके बाद हिंदू पक्ष ने मांग की थी कि सर्वे रिपोर्ट की कॉपी दोनों पक्षों को सौंपी जाए. इस पर बुधवार 24 जनवरी 2024 को जिला कोर्ट ने सभी पक्षों को सर्वे रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया था. विष्णु शंकर ने बताया कि जीपीआर सर्वे पर एएसआईने कहा है कि यह कहा जा सकता है कि यहां पर एक बड़ा भव्य हिन्दू मंदिर था, अभी के ढांचा के पहले एक बड़ा हिंदू मंदिर मौजूद था.एएसआई के मुताबिक वर्तमान जो ढांचा है उसकी पश्चिमी दीवार पहले के बड़े हिंदू मंदिर का हिस्सा है. यहां पर एक प्री

एक्जिस्टिंग स्ट्रक्चर है उसी के ऊपर बनाए गए.हिंदू पक्ष ने आगे रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पिलर्स और प्लास्टर को थोड़े से मोडिफिकेशन के साथ मस्जिद के लिए फिर से इस्तेमाल किया गया है. हिंदू मंदिर के खंभों को थोड़ा बहुत बदलकर नए ढांचे के लिए इस्तेमाल किया गया. पिलर के नक्काशियों को मिटाने की कोशिश की गई. यहां पर 32 ऐसे शिलालेख मिले हैं जो पुराने हिंदू मंदिर के हैं. देवनागरी ग्रंथतेलुगू कन्नड़ के शिलालेख मिले हैं. हिंदू पक्ष वकील ने कहा कि महामुक्ति मंडप यह बहुत ही महत्वपूर्ण शब्द है जो इसके शिलालेख में मिला है. सर्वे के दौरान एक पत्थर मिला शिलालेख मिला जिसका टूटा हुआ हिस्सा पहले से एएसआई के पास था. पहले के मंदिर के पिलर को दोबारा से इस्तेमाल किया गया है. तहखाना में हिंदू देवी देवताओं की मूर्तियां मिली हैं, जिन्हें तहखाना के नीचे मिट्टी से दवा दिया गया था. पश्चिमी दीवार हिंदू मंदिर का ही हिस्सा है यह पूरी तरीके से स्पष्ट है. 17वीं शताब्दी में हिंदू मंदिर को तोड़ा गया और इसके विध्वंस किए हुए मलबे से ही वर्तमान ढांचे को बनाया गया. मंदिर के पिलर को रेस्क्यू किया गया है.

कोर्ट ने रिपोर्ट की हार्ड कॉपी सौंपने का दिया था आदेश

दरअसल, हिंदू पक्ष से कोर्ट में मौजूद वकील विष्णु शंकर जैन ने इस बात पर लगातार जोर दिया था कि रिपोर्ट की कॉपी पक्षकारों के ईमेल पर प्रोवाइड कराई जाए. इसको लेकर स्ढ्ढ की तरफ से यह आपत्ति की गई कि ईमेल पर रिपोर्ट की टेंपरिंग हो सकती है और रिपोर्ट साइबर फ्रॉड का भी शिकार हो सकता है. इसलिए इसकी हार्ड कॉपी ही मुहैया कराई जाए. इसपर मुस्लिम पक्ष भी सहमत हुआ. इसके बाद जिला जज ने स्ढ्ढ की ज्ञानवापी सर्वे की रिपोर्ट पक्षकारों को हार्ड कॉपी देने का आदेश कर दिया था.

शुभकामनाएं

75वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर समस्तजनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

● संपादक

अवकाश

गणतंत्र दिवस के मौके पर 'समाचार पचीसा' प्रेस और कार्यालय में 26 जनवरी 2024 को अवकाश रहेगा। अगला अंक 28 जनवरी 2024 को प्रकाशित होगा।

● व्यवस्थापक

राष्ट्रपति का देश के नाम संदेश

नारी शक्ति वंदन एक क्रांतिकारी पहल

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित किया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि देश स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ते हुए अमृत काल के प्रारंभिक दौर से गुजर रहा है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, कल वह दिन है जब हम संविधान के लागू होने का जश्न मनाएंगे। इसकी प्रस्तावना हम, भारत के लोग शब्दों से शुरू होती है, अर्थात यह हमारे लोकतंत्र पर प्रकाश डालती है। भारत में, लोकतांत्रिक प्रणाली बहुत बड़ी है पश्चिमी लोकतंत्र की अवधारणा से भी पुरानी। यही कारण है कि भारत को लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, देश अमृत काल के प्रारंभिक वर्षों में है। यह परिवर्तन का समय है। हमें देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का सुनहरा अवसर दिया गया है। हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गणतंत्र दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि देश के वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ पहले से कहीं अधिक ऊंचे लक्ष्य हासिल कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक क्रांतिकारी पहल बताया। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण के लिए एक क्रांतिकारी पहल साबित होगा। यह हमारे शासन की प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने में भी काफी मदद करेगा।राष्ट्रपति ने कहा भारत की अध्यक्षता में दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन एक अभूतपूर्व उपलब्धि थी। जी20 से जुड़े आयोजनों में जन-सामान्य की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इन आयोजनों में विचारों और सुझावों का प्रवाह ऊपर से नीचे की ओर नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की ओर था। उस भव्य आयोजन से यह सीख भी मिली है कि सामान्य नागरिकों को भी ऐसे गहन तथा अंतर-राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे में भागीदार बनाया जा सकता है जिसका प्रभाव अंततः उनके अपने भविष्य पर पड़ता है। राष्ट्रपति ने कहा, इस सप्ताह के आरंभ में हम सबने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के जन्मस्थान पर निर्मित भव्य मंदिर में स्थापित मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक समारोह देखा। भविष्य में जब इस घटना को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाएगा, तब इतिहासकार, भारत द्वारा अपनी सभ्यतागत विरासत की निरंतर खोज में युगांतरकारी आयोजन के रूप में इसका विवेचन करेंगे। उचित न्यायिक प्रक्रिया और देश के उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद मंदिर का निर्माण कार्य आरंभ हुआ।

132 पद्म पुरस्कारों की घोषणा वेंकैया नायडू समेत पांच को पद्म विभूषण

17 पद्म भूषण और 110 पद्म श्री का भी एलान

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को पद्म पुरस्कारों का एलान कर दिया गया है। इसके तहत पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री से सम्मानित किए जाने वाली हस्तियों के नामों का एलान किया गया। इस बार राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति ने दो युगल समेत 132 पद्म पुरस्कारों को मंजूरी दी है। देर रात जारी सूची में पांच पद्म विभूषण, 17 पद्म भूषण शामिल हैं। इसके अलावा 110 पद्म श्री पुरस्कारों का भी एलान किया गया है। पुरस्कार पाने वालों में 30 महिलाएं हैं। सूची में आठ विदेशी, एनआरआई, पीआईओ, ओसीआई श्रेणी के व्यक्ति शामिल हैं। वहीं, नौ मरणोपरांत पुरस्कार भी दिए जाने का एलान किया गया है। इससे पहले 23 जनवरी को सरकार ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कूर्परी ठाकुर को भारत

रत्न से नवाजने का एलान किया था। पद्मविभूषण पाने वाली हस्तियों में पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, अनुभवी अभिनेत्री वैजयंतीमाला बाली, सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक स्वर्गीय बिंदेश्वर पाठक और साउथ के मेगा स्टार चिरंजीवी, भारतीय शास्त्रीय भरतनाट्यम नर्तकी पद्मा सुब्रमण्यम शामिल हैं। इनमें छत्तीसगढ़ के तीन विभूतियों में रायगढ़ के कथक नर्तक पंडित राम लाल बरेठ, नारायणपुर के वैद्यराज श्री हेमचंद मांझी तथा जशपुर के श्री जागेश्वर यादव का नाम शामिल हैं। इनमें छत्तीसगढ़ की दो विभूतियां जशपुर के आदिवासी कल्याण कार्यकर्ता जागेश्वर यादव और नारायणपुर के हेमचंद मांझी शामिल हैं। वहीं, देश की पहली महिला हाथी महावत पारवती बरुआ और सरायकेला खरसावां की आदिवासी पर्यावरणविद् चामी मुर्मु को पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा।

बिहार में सियासी हलचल तेज

पटना। बिहार में सत्तारूढ़ महागठबंधन के अंदर सब कुछ सामान्य नहीं है। बिहार विधानसभा में सबसे ताकतवर राष्ट्रीय जनता दल ने एक बार फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आंखें तरेरी थी, लेकिन उसे अब फिर पलकें झुका लेनी पड़ी। गुरुवार को कैबिनेट बैठक में सीएम के मनोभाव और हावभाव को देखकर राजद में ऐसी खलबली मची कि दूर देश में बैठकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर सोशल मीडिया के जरिए हमला करने वाली लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्या को पीछे हटना पड़ा। कुछ मिनट के अंदर नीतीश कुमार पर किए तीन सोशल मीडिया हमलों को डेढ़ घंटे के बाद वापस लेना पड़ा। सोशल मीडिया से अपनी बात हटानी पड़ी। इस घटनाक्रम के बीच भाजपा ने अपने सारे विधायक को पटना बुला लिया है। लगातार बदल रहे घटनाक्रम से यह दिखने लगा है कि हो न हो जीतन राम मांझी की भविष्यवाणी अब सत्य होने वाली है। पूर्व मुख्यमंत्री मांझी ने पहले ही अपने विधायकों को बिहार से बाहर नहीं जाने और भरसक पटना में रहने कहा था। 2020 के विधानसभा चुनाव में जदयू-भाजपा ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था और इसी गठबंधन को सरकार चलाने के लिए जनमत मिला था। बीच में नीतीश कुमार ने भाजपा से दूरी बना ली और महागठबंधन के मुख्यमंत्री बन गए। बिहार विधानसभा में संख्या के लिहाज से राजद पहले नंबर पर है। उसके पास 79 विधायक हैं। इसके बाद भाजपा है। भाजपा के पास 78 विधायक हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के पास विधायकों की संख्या 45 है। ऐसे में भाजपा विधायकों का पटना बुलाया जाना महागठबंधन सरकार की अस्थिरता की खबर को आगे बढ़ा रहा है।

प्रमुख समाचार

यह तो राय है, अपराध कैसे हुआ? रामचरितमानस विवाद में मौर्य को राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने तुलसीदास की रामचरितमानस पर स्वामी प्रसाद मौर्य की कथित विवादास्पद टिप्पणी से संबंधित एक मामले में उनके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया और मामले में उससे जवाब मांगा। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा, आप इन चीजों को लेकर इतने संवेदनशील क्यों हैं? यह व्याख्या का मामला है।सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था, जिसने तुलसीदास की रामचरितमानस के खिलाफ टिप्पणियों के मामले में प्रतापगढ़ जिला अदालत में कानूनी कार्यवाही को रद्द करने का निर्देश देने की उनकी याचिका खारिज कर दी थी। आज सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति मेहता ने उत्तर प्रदेश की ओर से पेश वकील से पूछा, यह उनकी (मौर्य) राय है। यह कैसे अपराध है? यूपी के पूर्व मंत्री मौर्य पर यह बयान देने का आरोप लगाया गया है कि रामचरितमानस की कुछ चौपाई समाज के एक बड़े वर्ग का अपमान करती हैं।

लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा का थीम सॉन्ग लॉन्च

नई दिल्ली। भले ही लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान होने में समय है लेकिन भाजपा अब पूरी तरह चुनावी मोड में आ गई है। गुरुवार को भाजपा ने 2024 आम चुनावों के लिए अपने आधिकारिक अभियान की शुरुआत कर दी। इसी कड़ी में पार्टी ने लोकसभा चुनावों के लिए अपने अभियान का थीम सॉन्ग लॉन्च किया। भाजपा का प्रचार अभियान सपने नहीं हकीकत बुनते हैं, तभी तो सब मोदी को चुनते हैं थीम पर आधारित होगा। यह थीम सॉन्ग फर्स्ट टाइम वोटर्स कॉन्क्लेव(नव मतदाता सम्मेलन) में लॉन्च किया गया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में इस थीम सॉन्ग को जारी किया। इस दौरान पार्टी ने दावा किया कि नए अभियान का विषय मोदी की गारंटी का भी पूरक है। भाजपा का थीम सॉन्ग दो मिनट 12 सेकंड का है। इस वीडियो में पीएम मोदी के काम को दर्शाया गया है। पार्टी ने दावा किया कि वीडियो में दिखाया गया कि कैसे प्रधानमंत्री मोदी ने करोड़ों भारतीयों के सपनों और आकांक्षाओं को वास्तविकता में बदल दिया है। भाजपा ने यह भी कहा कि यह नारा केवल कुछ लोगों द्वारा अनुभव की गई भावना नहीं है, बल्कि जनता के बीच गूंजता है। जानकारी के अनुसार, प्रचार अभियान के कई घटक होंगे।

कंटेनर की टक्कर से 12 श्रद्धालुओं की मौत

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर के थाना मदनापुर क्षेत्र के गांव दमगड़ा से गंगा स्नान करने के लिए जा रहे श्रद्धालुओं के ऑटो को कंटेनर ने टक्कर मार दी। भीषण सड़क हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। हादसा बृहस्पतिवार सुबह करीब 10.30 बजे अल्हागंज के गांव सुगसुगी के पास बरेली-फर्रुखाबाद हाईवे पर हुआ। हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। एक्स पर लिखा,प्रभु श्री राम दिवंगत आत्माओं को शांति व शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। घटनास्थल पर पहुंचे डीएम और विधायक - बताया जा रहा है कि ऑटो में 12 लोग सवार थे। हादसे में ऑटो चालक समेत सभी मौत हो गई। हादसे के बाद कंटेनर चालक फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद डीएम उमेश प्रताप सिंह, एसपी अशोक कुमार मीणा और जलालाबाद विधायक हरिप्रकाश वर्मा मौके पर पहुंचे। घटना के संबंध में ग्रामीणों से जानकारी की। पुलिस ने कंटेनर को कब्जे में लेकर घटना की जांच शुरू कर दी है। हादसे में दमगड़ा गांव के लालाराम (50) और उनके भाई पुत्तूलाल (40), सियाराम (42) और उनके भाई सुरेश (30), अनंतराम (35) उनकी मां राजरानी उर्फ बसंता (55), पोथीराम (45), लंकुश (50), मनीराम (40), लहसुना गांव की मेघवती (70) और उनके पौत्र राहुल (12), रामलली (65) की मौत हुई है।

सशस्त्र बल के 80 जवानों को पुरस्कार, 12 सपूतों को मरणोपरांत अवॉर्ड

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर भारतीय सशस्त्र बल के शूरवीरों और अदम्य साहस दिखाने वाले जवानों को वीरता पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है। इस साल सशस्त्र बल के 80 जवानों को पुरस्कार मिलेगा। 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जिन बलिदानियों को सम्मानित करने का फैसला लिया है, इसमें 12 सपूतों को मरणोपरांत अवॉर्ड दिए जाएंगे। राष्ट्रपति ने कीर्ति चक्र, शौर्य चक्र और सेना मेडल जैसे शीर्ष सैन्य पुरस्कारों से सम्मानित होने वाले जवानों को सम्मानित करने का फैसला लिया है। सशस्त्र बलों के कर्मियों को वीरता पुरस्कार में छह कीर्ति चक्र शामिल हैं। तीन जवानों को मरणोपरांत यह सम्मान मिलेगा। इस साल 16 शौर्य चक्र दिए जाएंगे। दो जवानों को मरणोपरांत सम्मानित किया जाएगा। 53 सेना पदक दिए जाएंगे। सात मेडल मरणोपरांत देने का फैसला लिया गया है। सशस्त्र बलों के जवानों को एक नौसेना पदक (वीरता) और चार वायु सेना पदक (वीरता) भी दिए जाएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर जिन जवानों को सम्मानित करने का फैसला लिया है.

सुको में बना इतिहास, पहली बार एक साथ हुए तीन दलित जज; कौन हैं जस्टिस वराले?

नई दिल्ली। कर्नाटक हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पी बी वराले को सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के तौर पर शपथ दिलाई। सुप्रीम कोर्ट परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में जस्टिस वराले को पद की शपथ दिलाई गई। न्यायमूर्ति वराले को सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त करने की मंजूरी केन्द्र ने बुधवार को दी थी। उनके शपथ लेने के बाद शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की संख्या पूर्ण हो गई है। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 है जिसमें प्रधान न्यायाधीश भी शामिल हैं। यह पहली बार है कि सुप्रीम कोर्ट में तीन वर्तमान जज दलित समुदाय से हैं। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट में इतिहास रचा गया है। दलित समुदाय से संबंध रखने वाले दो अन्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति सी टी रविकुमार हैं। इस महीने की शुरुआत में जस्टिस वराले के नाम की सिफारिश करते वक्त सीजेआई चंद्रचूड़ नीत सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने कहा था कि उसने इस तथ्य को ध्यान में रखा कि वह उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीशों में से एक हैं। कॉलेजियम ने यह भी कहा था कि वह उच्च न्यायालय के एकमात्र मुख्य न्यायाधीश हैं जो अनुसूचित जाति वर्ग से हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दी बधाई

छत्तीसगढ़ के तीन विभूतियों को मिलेगा पद्मश्री

रायपुर। भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देश के 110 विभूतियों को पद्मश्री सम्मान दिए जाने का एलान किया गया है, जिसमें छत्तीसगढ़ के रायगढ़ के कथक नर्तक पंडित राम लाल बरेठ, नारायणपुर के वैद्यराज श्री हेमचंद मांझी तथा जशपुर के श्री जागेश्वर यादव का नाम शामिल हैं। भारत सरकार द्वारा पंडित राम लाल बरेठ को कला क्षेत्र में, वैद्यराज श्री हेमचंद मांझी को चिकित्सा क्षेत्र में तथा श्री जागेश्वर यादव को समाज सेवा के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए पद्मश्री सम्मान प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पंडित राम लाल बरेठ, श्री जागेश्वर यादव तथा वैद्यराज श्री हेमचंद मांझी को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई दी है। मुख्यमंत्री कहा है कि विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर एवं

पहाड़ी कोरवा की भलाई के लिए श्री जागेश्वर यादव ने अपना जीवन समर्पित कर दिया है। मुख्यमंत्री ने पद्मश्री सम्मान के लिए श्री जागेश्वर यादव के चयन पर प्रसन्नता जताते हुए उन्हें दूरभाष पर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने वैद्यराज श्री हेमचंद मांझी द्वारा नारायणपुर के अबूझमाड़ इलाके में पारंपरिक औषधि जड़ी-बूटी से बीते पांच दशकों से जरूरतमंद लोगों का इलाज को उनकी सेवा का प्रतिफल कहा है। कथक के मूर्धन्य नर्तक पंडित राम लाल बरेठ ने कला के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। रायगढ़ के रहने वाले पंडित राम लाल बरेठ के पिता श्री कार्तिक राम बरेठ भी कथक के मूर्धन्य नर्तक रहे है। पंडित राम लाल बरेठ को संगीत नाटक अकादमी द्वारा भी पुरस्कृत किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि इन तीनों विभूतियों ने अपने-अपने क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय कार्य से राष्ट्रीय स्तर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है।

जशपुर के श्री जागेश्वर यादव, की प्रसिद्धि बिरहोर के भाई के रूप में है। आदिवासी कल्याण कार्यकर्ता श्री यादव ने अपना पूरा जीवन बिरहोर और पहाड़ी कोरवा जनजाति के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया है। उन्होंने जशपुर में आश्रम की स्थापना की और निरक्षरता उन्मूलन और स्वास्थ्य सेवा के मानकों को बेहतर बनाने का काम किया है। नारायणपुर के श्री हेमचंद मांझी ख्याति प्राप्त वैद्य है। वह 15 साल की उम्र से ही अपने पारंपरिक औषधि ज्ञान से जरूरतमंद लोगों का इलाज कर रहे है। विभिन्न बीमारियों से पीड़ित लोगों से वह इलाज के लिए बहुत कम राशि लेते हैं। जब उनकी उम्र 15 वर्ष की थी, तभी से वह जरूरतमंदों की चिकित्सा कर रहे है। अबूझमाड़ के जंगलों में पाई जाने वाली जड़ी-बूटियों का उन्हें विशेष ज्ञान है।

बीते 16 दिसम्बर की बात है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से मिलने और राज्य के 18 लाख बेघर लोगों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करने के लिए श्री जागेश्वर यादव रायपुर स्थित उनके सरकारी आवास पहुना पहुंचे थे। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों की भीड़ और बेरिकेट देखकर दूर खड़े जागेश्वर यादव मुख्यमंत्री से मिलने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, जैसे ही मुख्यमंत्री लोगों से मिलने बाहर आए उनकी नजर दूर खड़े श्री यादव पर पड़ी और मुख्यमंत्री ने उन्हें जशपुरिया लहजे में बड़े ही अपनेपन से पुकारा ''आ ऐती आ, उहां का खड़े हस, मोर कोती आ''।

जागेश्वर यादव अपने पास आते ही मुख्यमंत्री ने उन्हें गले लगाया, पूरे समय साथ ही रहे और समय-समय पर आत्मीय चर्चा करते रहे। जागेश्वर यादव ने मुख्यमंत्री को कैबिनेट की बैठक में प्रदेश के 18 लाख लोगों को आवास देने के निर्णय पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से सरगुजा संभाग की विशेष पिछड़ी जनजाति के हजारों बिरहोर लोगों को आवास मिलने का रास्ता खुल गया है जो घास-फूस की झोपड़ियों में हर साल सरगुजा की कड़ी सर्दी गुजारते हैं।

छत्तीसगढ़ में अब तक 29 लोगों को पद्मश्री सम्मान

यहां यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 1976 से लेकर 2023 तक छत्तीसगढ़ में 26 लोगों को पद्मश्री सम्मान मिल चुका है। पंडित राम लाल बरेठ, श्री जागेश्वर यादव एवं वैद्यराज श्री हेमचंद मांझी का नाम पद्मश्री के लिए घोषित होने पर पद्मश्री सम्मान से विभूषित होने वालों की संख्या 29 हो जाएगी।

पंड़वानी गायिका तीजन बाई को मिला है तीनों पद्म सम्मान

विश्व विख्यात पंडवानी गायिका श्रीमती तीजन बाई छत्तीसगढ़ की एक मात्र ऐसी हस्ती है, जिन्हें भारत सरकार द्वारा भारतीय नागरिकों को दिया जाने वाला तीनों पद्म सम्मान मिला है। श्रीमती तीजन बाई को लोक गायन (पंडवानी) के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए वर्ष 1988 में पद्मश्री, वर्ष 2003 में पद्म भूषण तथा वर्ष 2019 में पद्म विभूषण सम्मान से नवाजा गया है।

बेलम गुट्टा नक्सली मुठभेड़ को सामाजिक कार्यकर्ता ने ठहराया फर्जी

■ कहा- जिन्हें माओवादी बता रहे वे निर्दोष ग्रामीण

बीजापुर। बासागुड़ा थाना क्षेत्र के बेलम गुट्टा की पहाड़ी पर 20 जनवरी को पुलिस-नक्सल मुठभेड़ को अधिवक्ता और सामाजिक कार्यकर्ता बेला भाटिया ने फर्जी ठहराया है। मामले में बासागुड़ा थाना में 24 जनवरी को मृतकों के परिजनों की तरफ से एक लिखित शिकायत भी दर्ज कराई गई है।

मामले को लेकर बीजापुर में पत्रवार्ता में बेला ने कहा कि पुलिस जिन्हें माओवादी बता रही है, असल में वो निर्दोष ग्रामीण थे। जो गोरनम में मुतवेंडी प्रकरण को लेकर जारी अहिंसक धरना प्रदर्शन में अपनी भागीदारी निभाने जा रहे थे। जिन्हें बीच रास्ते में रोककर पुलिस ने गोलियां दाग दी। परिजनों के हवाले से बेला का कहना था कि घटना 20 जनवरी सुबह की है। बेलम नेंडरा गांव से 8 ग्रामीण धरना में शामिल होने के उद्देश्य से रवाना हुए थे।

गोटूमपारा से लगभग एक किमी दूर बेलम पहाड़ी पर चढ़ने के दौरान पुलिस जवानों ने उनका रास्ता रोक लिया। बेला के अनुसार आदिवासी अक्सर कतारबद्ध ही चलते हैं। गोरनम जा रहे ग्रामीण भी कतार में चल रहे थे। इसी बीच जवानों की तरफ से चली गोली कतार में सबसे आगे सोनी मड़कम, नागी पुनेम, कोसा कारम को लगी। जिससे तीनों की मौके पर मौत हो गई। घटना के प्रत्यक्षदर्शी पीछे चल रहे पांच अन्य ग्रामीण हैं। जिन्हें पकड़कर जवान अपने साथ लेकर बीजापुर पहुंचे थे।

आरोप है कि ग्रामीणों के साथ भी जवानों द्वारा बेदम मारपीट की गई है। इनमें से चार को छोड़ दिया गया। लेकिन कमलेश बारसे और बूधी उईका नाम के ग्रामीण को पुलिस उसी दिन उसके घर से पकड़कर ले गई और जेल में डाल दिया।

बेला ने बताया कि मारे गए और जो बच गए उनका माओवादी संगठन, गतिविधियों से दूर-दूर तक कोई नाता नहीं है। पुलिस जिसे मुठभेड़ बता रही है वह मुठभेड़ ना होकर हत्या है। मृतकों में शामिल कोसा कारम के पांच बच्चे हैं। वह खेती-किसानी कर परिवार का भरण पोषण कर रहा था। जबकि दो नाबालिग थी। बच गए पांच युवक हैं जो गोरना गांव में मुतवेंडी घटना के विरोध में जारी धरना-प्रदर्षन में भाग लेने जा रहे थे। लिखित शिकायत के जरिए हत्या का आरोप लगाते हुए मौके पर उपस्थित पुलिस कर्मियों के विरूद्ध प्राथमिकी रिपोर्ट दर्ज करते हुए न्यायिक कार्रवाई की मांग की गई है।

बेला भाटिया का कहना है कि बस्तर में नक्सल उन्मूलन के नाम पर फांसीवादी व्यवस्था को अपनाकर लोकतंत्र को पीछे ढकेलने का काम हो रहा है। आदिवासी अपने ही गांव में आज सुरक्षित नहीं है। जो मारे गए वो केवल 6 महीने की मासूम को न्याय दिलाने के लिए जारी अहिंसक लड़ाई का हिस्सा बनने जा रहे थे। घटना से सवाल उठता है कि हमार लोकतंत्र आखिर किस दिशा में बढ़ रहा है।

17 जजों का हुआ प्रमोशन, पांच जिला एवं सत्र न्यायाधीशों का तबादला

बिलासपुर। प्रदेश के पांच जिला एवं सत्र न्यायाधीशों का हाईकोर्ट ने तबादला आदेश जारी किया है। इसमें महासमुंद, कोरिया, कांकेर, जशपुर और कोरबा के जिला एवं सत्र न्यायाधीश शामिल हैं। जारी आदेश के मुताबिक, 17 जजों को प्रमोशन दिया गया है, जिन्हें अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के साथ ही क्लास टू से क्लास वन बनाया गया है। साथ ही उन्हें अलग-अलग जिलों में पोस्टिंग दिया गया है।

हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल सुधीर कुमार ने चीफ जस्टिस की सहमति से तीन जिला एवं सत्र न्यायधीशों को सुपर टाइम स्केल भी दिया है। वहीं, चार सिविल जजों को क्लास टू से क्लास वन में पदोन्नति देकर नई जगह पदस्थापना दी गई है। एक जिले में सिविल जज क्लास वन को प्रमोशन देकर सीजेएम बनाया गया है। वहीं, रायपुर के जिला एवं सत्र न्यायधीश को एक्ट्रोसिटी कोर्ट का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जारी आदेश के अनुसार 17 जजों को प्रमोशन दिया गया है, जिसमें 15 को क्लास टू से प्रमोट कर क्लास वन में दूसरे जिलों में पदस्थ किया गया है।

जारी आदेश में डोंगरगढ़ में सिविल जज क्लास वन व एसीजेएम के पद में पदस्थ सीमा प्रताप चंद्रा को कोरबा जिले का सीजेएम बनाया गया है। उनकी जगह देवेंद्र साहू को प्रतापपुर से डोंगरगढ़ में सिविल जज क्लास वन व एसीजेएम के पद में पदस्थ किया गया है। मोहम्मद जहांगीर तिगाला, सतीश कुमार खाखा, सत्येंद्र प्रसाद व खिलेश्वरी सिन्हा को सिविल जज क्लास टू से सिविल जज क्लास वन में पदोन्नति दी गई है, जिसमें मोहम्मद जहांगीर तिगाला को मनेंद्रगढ़ से बेमेतरा व सतीश कुमार खाखा को वाड्रफनगर से प्रतापपुर तबादला किया गया है।

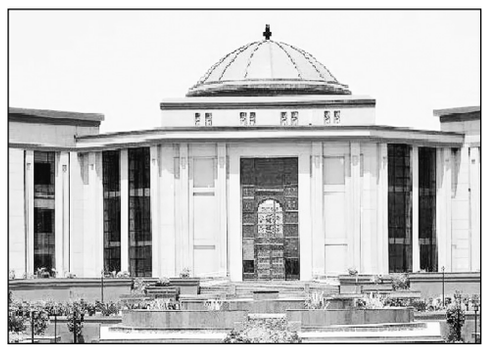

महासमुंद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश भीष्म प्रसाद पांडेय को कोरिया (बैकुंठपुर) का जिला एवं सत्र न्यायाधीश बना कर भेजा गया है। आनंद कुमार ध्रुव को कोरिया से कांकेर का जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अनीता डहरिया को जशपुर से महासमुंद का जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनाया गया है। रायपुर के एक्ट्रोसिटी के स्पेशल जज हिरेंद्र सिंह टेकाम को जशपुर का जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनाया गया है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के विधिक सलाहकार सत्येंद्र कुमार साहू को कोरबा का जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनाया गया है।

वहीं, हाईकोर्ट के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी शैलेंद्र चौहान को जांजगीर जिले का अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनाया गया है। वहीं, रायपुर के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित राठौर को नवगठित सारंगढ़ जिले के पाक्सो फास्टट्रैक कोर्ट का स्पेशल जज बनाया गया है। उच्च न्यायिक सेवा के जजों का भी तबादला हुआ है। हाईकोर्ट ने कोरबा के सीजेएम अश्वनी कुमार चतुवेर्दी को प्रमोशन देकर कोरबा में ही सेशन जज बनाया है। जबकि, उनकी जगह डोंगरगढ़ में पदस्थ पल्लवी प्रताप चंद्रा को सिविल जज क्लास वन से प्रमोट कर कोरबा में सीजेएम बनाया है।

योगी की तर्ज पर मुख्यमंत्री साय का एक्शन

आरोपी आयाज के घर में चला बुलडोजर कवर्धा में भारी पुलिस बल तैनात

कबीरधाम। कवर्धा शहर लगे ग्राम लालपुरकला निवासी चरवाहा साधराम यादव (50) हत्याकांड मामले में आरोपी के घर पर आज गुरुवार की सुबह नौ बजे प्रशासन ने अवैध निर्माण पर बुलडोजर की कार्रवाई किया है। आरोपी अयाज पिता तफज्जुल खान उम्र 29, निवासी वार्ड क्रमांक 18, बीच पारा कवर्धा के घर पर राजस्व व नगर पालिका की टीम ने यह कार्रवाई किया है। इस दौरान बड़ी संख्या में शहर में पुलिस बल तैनात किए गए। ऐसा पहली बार है कि प्रदेश में किसी हत्याकांड के आरोपी के घर पर बुलडोजर की कार्रवाई हुई है।

गौरतलब है कि कवर्धा कोतवाली थाना क्षेत्र के लालपुर कला गांव में 21 दिसंबर रविवार की सुबह एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिला था। मृतक का नाम साधराम यादव (50), जो कवर्धा के एक गोशाला में चरवाहा का काम करता था। घटना के 24 घंटे के भीतर पुलिस ने रविवार को हत्याकांड का खुलासा किया।

पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिसमें एक नाबालिग भी शामिल था। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात के समय घटना स्थल पर मृतक और इन आरोपियों के बीच विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपियों ने धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी थी। इसके बाद सभी

मौके से फरार हो गए।

कबीरधाम एसपी डॉ.अभिषेक पल्लव ने बताया कि आरोपियों का नाम सुफियान पिता इजराइल कुरैशी उम्र 21 निवासी एकता चौक, इदरीश पिता खलील खान उम्र 27, निवासी वार्ड क्रमांक 05, आदर्श नगर, अयाज पिता तफज्जुल खान उम्र 29, निवासी वार्ड क्रमांक 18, बीच पारा और महताब पिता अनवर खान उम्र 22 निवासी नवाब मोहल्ला व एक नाबालिग शामिल हैं।

चार आरोपी को रविवार देर रात जेल दाखिल किया गया। नाबालिग लड़के को बाल सुधार गृह भेज दिया है। ये सभी आरोपी कवर्धा शहर के रहने वाले है। इसके अलावा कल बुधवार को पुलिस ने छठें आरोपी शेख रफीक उर्फ रिंकु पिता महबूब खान उम्र 40, निवासी नवाब मोहल्ला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल में टीचर दे रहे धर्म और जाति की शिक्षा

■ भगवान राम पर की अभद्र टिप्पणी

बलरामपुर। रामानुजगंज क्षेत्र के रामचंद्रपुर विकासखंड क्षेत्र के डिण्डो में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल के टीचर पर छात्रों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला सामने आया है। छात्रों ने टीचर फुलजेन्स तिग्गा पर ये आरोप लगाए हैं। शिक्षक पर प्रभु राम और माता सीता पर भी अभद्र टिप्पणी करने का आरोप छात्रों ने लगाया है।

आत्मानंद स्कूल में प्रभु राम के बारे में शिक्षक ने की अपमानजनक टिप्पणी- स्कूल में टीचर के इस तरह की बात करने से छात्र छात्राओं और परिजन काफी नाराज है। उनका कहना है कि उनकी जाति और भगवान श्रीराम और माता सीता के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का उपयोग करने से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। छात्रों के परिजनों और स्थानीय लोगों ने डिण्डो चौकी में पहुंचकर शिक्षक के खिलाफ लिखित में शिकायत दी और एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

शिक्षक को जारी किया गया नोटिस- ग्रामीणों और छात्रों ने ना सिर्फ पुलिस में शिकायत की बल्कि जिला शिक्षा अधिकारी के साथ ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी से भी मामले की शिकायत की गई। जिसके बाद बीईओ सहित कई अधिकारी स्कूल पहुंचे और स्टूडेंट्स से बात की। जिसके बाद एक्शन लेते हुए बीईओ ने शिक्षक को नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण मांगा है।

बीईओ सदानंद कुशवाहा ने कहा डिण्डो के स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा जानकारी मिली है कि स्वामी आत्मानंद स्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षक फुलजेन्स तिग्गा स्कूल के बच्चों को धर्म और जाति के बारे में भ्रामक जानकारी दे रहे हैं। भगवान श्रीराम के बारे में भी आपत्तिजनक टिप्पणी करने की बात सामने आई है। शिक्षक को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

बताया जा रहा है कि टीचर फुलजेन्स तिग्गा छात्र छात्रों को हिस्ट्री पढ़ाते हैं लेकिन हिस्ट्री पढ़ाने के दौरान वह अक्सर ही क्लास में जाति और धर्म की बातें करते हैं। फिलहाल ग्रामीणों और छात्रों की मांग पर बीईओ ने टीचर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। देखना होगा कि टीचर इस पर क्या जवाब देते हैं।

चिरमिरी के स्वामी आत्मानंद स्कूल में साइंस एग्जीबिशन का आयोजन

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। जिले के चिरमिरी गोदरीपरा के स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में साइंस एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने अपने कला का प्रदर्शन करते हुए प्रोजेक्ट का और किया। मॉडल प्रदर्शनी में विभिन्न विषयों पर मॉडल प्रस्तुत किए गए। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने किया।

विभिन्न विषयों पर मॉडल की प्रस्तुति- स्कूल के छात्र-छात्राओं ने साइंस से संबंधित क्लब मैथ्स, साइंस, अंग्रेजी और इको क्लब की प्रदर्शनी लगायी थी। इस मॉडल प्रदर्शनी में विभिन्न विषयों पर मॉडल प्रस्तुत किए गए। जैसे - विज्ञान में मानव हृदय, पवन चक्की, जल चक्र, वैक्यूम क्लीनर, पौध कोशिका, मल मूत्र तंत्र इत्यादि। गणित में वर्गमूल एवं घनमूल, त्रिकोणमिति, चतुर्भुज के प्रकार इत्यादि। अंग्रेजी में नाउन, पार्ट्स ऑफ स्पीच, एडवर्ब, आर्टिकल, प्रीपोजिशन, डिटरमिनर्स, राइमिंग वर्ड इत्यादि। इको क्लब में अम्ल वर्षा, वायु प्रदूषण, पृथ्वी को बचाओ, बिजली बचाओ को दर्शाया गया।

जिला शिक्षा अधिकारी, अजय मिश्रा ने कहा इंग्लिश मीडियम स्कूल चिरमिरी में आज स्कूली बच्चों का साइंस एग्जीबिशन का एक प्रोजेक्ट था। इस एग्जीबिशन में शामिल होकर उन तमाम बच्चों से मिला। बच्चों ने बहुत अच्छा प्रयास किया है। वहां बच्चों ने ऐसे ऐसे मॉडल बनाए हैं, जिसमें लागत कुछ भी नहीं है। बिना लागत के ऐसे मॉडल तैयार किए गए हैं, जो ज्ञानवर्धक हैं। जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा का कहना है कि स्कूली बच्चों के बनाए गए प्रदर्शनी सहरानीय हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

मुख्यमंत्री साय ने बेमेतरा जिले के ग्राम ढनढनी स्थित जूनी माता मंदिर में पूजा अर्चना की

बेमेतरा। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज बेमेतरा ज़िले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम ढनढनी जूनी सरोवर मेला में पहुँचे। मुख्यमंत्री यहां मेला स्थल में 17 जनवरी से प्रारंभ श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ व जूनी सरोवर मेला में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जूनी देवी माता मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद मांगा । इस अवसर पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल सहित विधायक बेमेतरा श्री दीपेश साहू व विधायक साजा श्री ईश्वर साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस पर बृजमोहन राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे

महासमुंद। 75 वाँ गणतंत्र दिवस महासमुंद जिले में पूरे गरिमामय तरीके से मनाया जाएगा। जिला मुख्यालय के मिनी स्टेडियम में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि प्रदेश के स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, धार्मिक न्यास तथा धर्मस्व पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) के अवसर पर सुबह 9:00 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सलामी लेंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार मुख्य अतिथि श्री अग्रवाल का समारोह स्थल पर आगमन सुबह 8:58 बजे होगा। 9:00 बजे ध्वजारोहण एवं सलामी लेंगे। 9:03 बजे परेड का निरीक्षण करेंगे। 9:15 बजे से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी का जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन किया जाएगा। सुबह 9:30 बजे मार्च पास्ट, सुबह 9:50 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम, 10:20 बजे विभागीय झांकियों का प्रदर्शन, 10:30बजे पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र वितरण और सुबह 10:45 बजे कार्यक्रम का समापन होगा।

41 शहीद जवानों के परिजनों का किया जाएगा सम्मान

धमतरी। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के मौके पर नक्सल मोर्चों में मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए जिले के 41 पुलिस जवानों के परिजनों को मुख्य समारोह स्थल डॉ.शोभाराम देवांगन स्कूल के एकलव्य खेल परिसर में मुख्य अतिथि विधायक कुरूद अजय चन्द्राकर द्वारा शॉल एवं श्रीफल प्रदाय कर सम्मानित किया जाएगा। इनमें नगरी तहसील के फरसियां के शहीद आरक्षक रतन लाल मरकाम, बाजार पारा नगरी के प्यारेलाल सोम, ग्राम कौहाबाहरा के निर्मल कुमार नेताम और भीतरारास के शहीद आरक्षक नवल किशोर शांडिल्य के परिजनों का सम्मान किया जाएगा। इसी तरह धमतरी तहसील के संबलपुर के शहीद आरक्षक नारायण सोरी, सांकरा के नोहरू राम नेताम, गागरा के संतोष कुमार नेताम, परेवाडीह के टिकेश्वर कुमार ध्रुव, श्यामतराई के रामेश्वर ध्रुव, जल विहार कालोनी रूद्री के तिला राम ठाकुर, दुलारी नगर रूद्री के खगेन्द्र कश्यप, ग्राम विश्रामपुर के शहीद आरक्षक भूषण मंडावी और ग्राम रावनसिंघी के शहीद आरक्षक वासुदेव ध्रुव के परिजनों का सम्मान किया जाएगा।

दलदल में फंसी गाय को घंटों रेस्क्यू कर निकाला बाहर

कोरबा। राखड़ के मनमाने डंपिंग की वजह से आए दिन इंसान और मवेशियों पर आफत आती रहती है। अब एक गाय को घंटों रेस्क्यू कर दलदल से सुरक्षित बाहर निकाला गया है। लोगों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। कोरबा नगर और जिले के बिजली घरों में हर रोज कोयला का भारी मात्रा में उपयोग करने के बाद वहां से निकलने वाली राख जन स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए बहुत बड़ी परेशानी बनी हुई है। राखड़ के मनमाने डंपिंग के कारण हर तरफ इंसान और मवेशियों की आफत आयी हुई है। नड़ियाखड़ क्षेत्र में राखड़ के दलदल में फंसे एक मवेशी को बचाने का कार्य गौसेवक समिति ने किया है। प्रगति नगर और राताखार के मध्य नदियाखड इलाके में परिवहन कारोबारी के द्वारा बिजली घरों से निकलने वाली राख को मनवाने तरीके से डंप किया जा रहा है। इसके नजदीक में ही हसदेव नदी का प्रवाह क्षेत्र है। नदी के जल ग्रहण क्षेत्र के नजदीक रखड़ को लगातार डाले जाने से वहां दलदल की स्थिति निर्मित हो गई है और इसके कारण कई प्रकार के खतरे बने हुए हैं।

लोकगीत गाकर घर-घर छेरछेरा मांगे लोग

पिथौरा। छत्तीसगढ़ की लोक पारंपरिक त्यौहार छेरछेरा की प्रदेश में काफी धूम है। महासमुंद जिले के पिथौरा क्षेत्र सहित अंचल में भी बड़े ही धूमधाम से गुरुवार को यह पर्व मनाया गया। सुबह से ही लोकगीतों का वाचन करते घर-घर छेरछेरा मांगने गए। छेरछेरा का पर्व दान पुण्य के भाव को लोगों के मन में जागृत करता है। लोग स्वेच्छानुसार धान और धन का दान देते हैं। आज सुबह से ही गांव में छेरछेरा मांगने छोटे बच्चों की टोली घर-घर पहुंची और छेरछेरा मांगे। बता दें कि, किसान अपने खलिहानों के धान काटकर जब घरों में लाते हैं और मिजाई खुटाई करने के बाद सभी धान मिजाई का काम पूरा कराने के बाद पौष महीने की पूर्णिमा को प्रतिवर्ष छत्तीसगढ का पारंपरिक तिहार छेरछेरा का पर्व मनाया जाता है। इसमें सभी वर्ग के लोग चाहे छोटे हो या बड़े सभी एक दूसरे के घर जाकर अन्न या धन का दान लेते हैं और देते हैं। सभी के घरों में आज के दीन मिठे पकवान और छत्तीसगढ़ी व्यंजन बनाए जाते हैं और एक-दूसरे को परोसा जाता है।

फंड जारी होने के बाद भी छात्राएं नहीं सीख पाई आत्मरक्षा का गुर

■ अब प्रशिक्षण अवधि की राशि लेप्स होने के कगार पर

गरियाबंद। जिले के 571 स्कूलों में बेटियों को आत्मरक्षा का गुर सिखाने समग्र शिक्षा से 85 ।65 लाख रुपये मिलने के बाद भी जिला स्तर में समन्वय के अभाव में प्रशिक्षण ज्यादातर जगह पर अधर में लटका है और अब लेप्स होने के कगार पर है।

दरअसल, केंद्र सरकार के समग्र शिक्षा के तहत अक्टूबर माह में जिले के 574 स्कूलों में बेटियों को आत्मरक्षा का गुर सिखाने 85 ।65 लाख रुपये मिले थे। राज्य कार्यलय से अक्टूबर माह में 15,000 प्रति स्कूल के मान से चिन्हांकित सभी स्कूलों में यह पैसे डाल भी दिए गए, लेकिन आत्मरक्षा कैसे और किससे दिए जाने हैं, इसके लिए जिला स्रोत समन्वयक से कोई स्पष्ट आदेश जारी नहीं किया गया। यह बताया गया था कि तीन माह बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाना है। प्रशिक्षक

को संबंधित स्कूलों से प्रति माह 5 हजार के दर पर भुगतान किया जाना है, लेकिन समन्वय के अभाव में अब तक 100 स्कूलों में भी यह प्रशिक्षण पूर्ण नहीं किया जा सका। भुगतान भी एक तिहाई से कम हुआ है। मार्च में परीक्षा आयोजन होना है, इसलिए कोर्स पूर्ण कराने पढ़ाई फरवरी माह से जोर पकड़ लेगा। ऐसे में अब इस योजना के लिए आए रकम का उपयोग कर पाना संभव नहीं है।

जिला स्रोत समन्वय खेलसिंह नायक 90 प्रतिशत स्कूलों में प्रशिक्षण पूर्ण होने का दावा कर रहे हैं, लेकिन यह भी मान रहे हैं कि कई जगह व्यवहारिक दिक्कतों के कारण विलंब हुआ है। नायक ने कहा कि 31 मार्च तक इस योजना के कार्य को पूर्ण कर लिए जाएंगे। अगर इस अवधी तक खर्च नहीं किए गए तो राशि लेप्स भी होने की बात भी स्वीकार कर रहे हैं।

देवभोग संकुल समन्वयक बीआर सोरी ने बताया कि 72 स्कूलों में से अब तक केवल 24 स्कूलों में एक माह का प्रशिक्षण हुआ, जिनमें से 2 को केवल 10 हजार का भुगतान हो सका है। देवभोग को छोड़ अन्य ब्लॉक के अफसरों के पास प्रशिक्षण की सटीक जानकारी नहीं है। मैनपुर बीआरसीसी शिव कुमार नागे और गरियाबंद बीआरसीसी तेजेश शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण जारी है, पर कितने में जारी है, भुगतान कितना हुआ है, इसकी जानकारी मंगाया गया है। अफसर कहते हैं कि भुगतान स्कूलों को ही करना है, इसलिए उसकी विस्तृत जानकारी उनके पास नहीं है। छुरा और फिंगेश्वर ब्लॉक में आधा अधूरा प्रशिक्षण हो सका है। कुछ जगह यह प्रशिक्षण केवल तस्वीर खिंचवाने तक सीमित दिखे।

एनजीओ को सौंपा गया काम पर स्कूलों को सूचना नहीं

प्रशिक्षण देने राज्य कार्यालय से पंजीकृत तीन संस्थान जिला कराटे संघ, मेच्योर ताई कांडो और सेल्फ डिफेंस एसोसिएशन नाम के तीन एनजीओ को नवंबर माह में आदेश जारी किया गया। स्कूलों की संख्या के अनुपात में इन संस्थाओं के पास प्रशिक्षक की संख्या कम थे। ज्यादातर स्कूल ने बताया कि प्रशिक्षक आए तो जरूर पर उन्हें अधिकृत किया गया है यह लिखित आदेश उनके पास नहीं थे। आज भी कौन से संस्था किन स्कूलों में प्रशिक्षण देंगे अब तक स्पष्ट आदेश जारी नहीं हो सका है। आधी अधूरी तैयारी के चलते संस्था के ज्यादातर प्रशिक्षक भी काम छोड़-छोड़ कर जाने लगे हैं। स्कूल, संस्था और मॉनिटरिंग करने वाले ब्लॉक जिला स्तर के विभागों में समन्वय के अभाव में यह महत्वपूर्ण योजना लेप्स होने के कगार पर आ चुका है।

छत्तीसगढ़ में छेरछेरा पर्व की धूम

कोरबा। छत्तीसगढ़ का लोकपर्व छेरछेरा धूमधाम के साथ मनाया मनाया गया। यह पर्व पौष पूर्णिमा के दिन खास तौर पर मनाया जाता है। यह अन्न दान का महापर्व है। छत्तीसगढ़ में यह पर्व नई फसल के खलिहान से घर आ जाने के बाद मनाया जाता है।

गुरुवार सुबह से ही बच्चे, युवक व युवतियां हाथ में टोकरी, बोरी आदि लेकर घर-घर छेरछेरा मांग रहे थे। वहीं युवकों की टोलियां डंडा नृत्य कर घर-घर पहुंचती हैं। धान मिंसाई हो जाने के चलते गांव में घर-घर धान का भंडार होता है, जिसके चलते लोग छेर छेरा मांगने वालों को दान करते हैं। साथ ही शहरी अंचलों में भी छेरछेरा की धूम रही। शहर के सीतामणी, बुधवारी, काशी नगर, संजय नगर शारदा विहार इलाके में बच्चों की टोली छेरछेरा मानते नजर आए। जहां काफी संख्या में बच्चे और बड़े लोग नजर आए। इसके अलावा एक बच्चों की टोली बालको थाना पहुंची। जहां बच्चे हाथ में ड्रम बाजा लेकर बजाते हुए पहुंचे और छेरछेरा मांगने लगे। आवाज सुनकर थाना प्रभारी नितिन उपाध्याय ने बच्चों के साथ रंग में ढल गए और खुशी जाहिर करते हुए बच्चों की टोली को छेरछेरा दान किया। वहीं बच्चों की उज्जवल भविष्य की कामना भी की। दर्री थाना में भी बच्चों की एक टोली पहुंची। जहां थाना प्रभारी रूपक शर्मा ने बच्चों को चॉकलेट देकर छेरछेरा मनाया गया। मानिकपुर चौकी प्रभारी प्रेम साहू ने भी अलग अंदाज में छेरछेरा मनाया।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश व प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सीमाओं पर रक्षा करने वाले हमारे प्रहरियों और सुरक्षा बलों के जवानों को उनके योगदान के लिए नमन किया है। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा है कि हमारा देश 26 जनवरी 1950 को गणतंत्र बना और यह दुनिया के विशालतम गणतंत्रों में से एक है। यह दिवस स्वतंत्रता, समानता, और भाईचारे के प्रतीक के रूप में हमें जोड़ता है। हमारे गणतंत्र दिवस का उद्देश्य हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान का स्मरण करना है, जिन्होंने हमें एक आधुनिक, प्रगतिशील और सम्पूर्ण गणतंत्र देने के लिए अपने जीवन को समर्पित किया। राज्यपाल ने भारत देश के महान संविधान निर्माताओं के योगदान को रेखांकित करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश का गणतंत्र और आजादी कायम रहे इसकी जिम्मेदारी देश के प्रत्येक नागरिक की है विशेष कर युवाओं की है। उन्हें देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने और समर्पण, निष्ठा, और ईमानदारी से देश की सेवा करने का प्रण लेना चाहिए।

दो बार केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा चुकी रिचा शर्मा लौट रहीं छत्तीसगढ़

रायपुर। बीते तीन सालों से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर रहीं 1994 की आईएएस अधिकारी रिचा शर्मा अब छत्तीसगढ़ लौट रही हैं। हाल ही में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर वे पदोन्नत हुईं है। राज्य कैडर में पदोन्नति का लाभ लेने के लिए उन्हें 24 जनवरी 2024 को छत्तीसगढ़ के लिए रिलीव कर दिया गया है। उनकी नियुक्ति से अब राज्य में चार एसीएस हो गए हैं। 2019 में दूसरी बार केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर गई शर्मा केंद्र में फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन में एडिश्नल सेकरेट्री रही हैं। छत्तीसगढ़ में आईएएस की सीनयरिटी लिस्ट को देखें तो वो फिलहाल 5वें नंबर पर हैं। 1989 बैच के अमिताभ जैन, 1991 बैच की रेणु पिल्ले, 1992 बैच के सुब्रत साहू, 1993 बैच के अमित अग्रवाल के बाद 1994 बैच की रिचा शर्मा का पांचवा नंबर है। बता दें कि इससे पहले वो 2015 में प्रतिनियुक्ति से लौटी थी। जिसके बाद तत्कालीन रमन सरकार ने उन्हें खाद्य विभाग की कमान सौंपी थी।

अभिषेक कुमार को मुख्यमंत्री साय के क्षेत्र में मिली अहम जिम्मेदारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने गुरुवार को आदेश जारी कर सात आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है। इसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विधानसभा क्षेत्र में जशपुर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के तौर पर 2020 बैच के आईएएस अभिषेक कुमार को नियुक्त किया गया है। नवीन पदस्थापना से पहले अभिषेक कुमार अंबिकापुर निगम आयुक्त की जिम्मेदारी संभाले हुए थे। सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डॉ। कमलप्रीत सिंह द्वारा जारी आदेश में जशपुर जिला पंचायत सीईओ 2018 बैच के आईएएस संबित मिश्रा को कोरबा जिला पंचायत सीईओ, 2019 बैच के आईएएस राजनांदगांव जिला पंचायत सीईओ अमित कुमार को बिलासपुर नगर पालिक निगम आयुक्त के पद पर, 2020 बैच की आईएएस एसडीएम बेमेतरा सुरूचि सिंह को राजनांदगांव जिला पंचायत सीईओ नियुक्त किया गया है। इनके अलावा 2020 बैच के आईएएस सहायक कलेक्टर, महासमुंद हेमंत रमेश नंदनवार को बीजापुर जिला पंचायत सीईओ, 2020 बैच की आईएएस एसडीएम बलौदाबाजार रोमा श्रीवास्तव को धमतरी जिला पंचायत सीईओ और 2020 बैच की आईएएस एसडीएम मुंगेली आकांक्षा शिक्षा खलखो को नारायणपुर जिला पंचायत सीईओ के पद पर पदस्थ किया गया है।

आकाशवाणी से विजय मिश्रा का कहानी पाठ

रायपुर। आकाशवाणी रायपुर केंद्र द्वारा प्रसारित साहित्य पत्रिका पल्लवी के अंतर्गत विजय मिश्रा अमित अपनी कहानी मरदा का पाठ करेंगे। पत्रिका पल्लवी का सम्पादन आकाशवाणी के कार्यक्रम अधिशासी प्रकाश उदय ने किया है। प्रदेश के वरिष्ठ साहित्यकार रंगकर्मी विजय मिश्रा द्वारा लिखित मरदा कहानी बेहद मार्मिक है। जिसका प्रसारण 27 जनवरी को प्रात: 10 बजे आकाशवाणी के रायपुर केंद्र से होगा। पंद्रह मिनट की कहानी मरदा में रक्तदान के लिए प्रेरणा सहित यातायात नियमों की अवहेलना, सड़कों पर बारात निकासी से निर्मित जाम के दुष्परिणामों का प्रभावशाली चित्रण किया गया है।

गणतंत्र दिवस पर विधानसभा भवन नागरिकों के लिए रहेगा खुला

रायपुर। विधानसभा सचिवालय में 26 जनवरी शुक्रवार को गणतंत्र दिवस उत्साह, उमंग एवं उल्लास के साथ समारोह पूर्वक मनाया जाएगा। विधानसभा परिसर में प्रात: 8.30 बजे ध्वजारोहण होगा । गणतंत्र दिवस के अवसर पर विधानसभा भवन में आकर्षक रोशनी की गयी है। विधानसभा भवन नागरिकों के लिए प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक खुला रखा गया है।

किसानों की मांग पर धान खरीदी की तारीख बढ़ाने पर विचार करेगी सरकार: साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नमो नव मतदाता सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, आप सभी ने मोदी की गारंटी पर विश्वास किया, इसके लिए आप सभी का आभार। सभी ने विश्वास कर भाजपा की सरकार बनाई। राजतंत्र में रानी के पेट से राजा पैदा होते थे। लोकतंत्र में जनता के वोट से होते हैं। वहीं धान खरीदी को लेकर सीएम साय ने कहा, किसानों की मांग पर खरीदी की तारीख बढ़ाने पर विचार करेंगे।

सीएम साय ने कहा, दुनियाभर से लोग हमारे देश में शिक्षा प्राप्त करने आते थे। प्रधानमंत्री हमारे देश को फिर उसी दिशा में ले जाना चाहते हैं। पीएम देश के लिए 18 घंटे काम करते हैं। रात और दिन 140 करोड़ जनता के लिए कार्य करते हैं। पीएम देश को विश्व गुरु और सोने की चिड़िया बनाना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री मोदी की जमकर तारीफ करते हुए कहा, हमारी सरकार गरीबों को समर्पित सरकार रही है। प्रधानमंत्री ने शौचालय बनाया, नारियों का सम्मान किया। नारियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना लाकर सम्मानित किया। पहले विदेश कार्यक्रम में प्रधानमंत्री दुबक कर बैठे रहते थे। अब दूसरे देशों के प्रधानमंत्री हमारे पीएम के पैर छूते हैं। यह हमारे देश के लिए गर्व की बात है। हमारा देश विश्व गुरुओं की ओर आगे बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा के लिए योजना की शुरुआत हमारे प्रधानमंत्री ने की। वन नेशन वन ग्रीन की ओर हमारे पीएम ने बड़ा कदम बढ़ाया है।

रिकॉर्ड धान खरीदी को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, 1 लाख 30 हजार मीट्रिक टन धान खरीदी का जो लक्ष्य था, वह 31 जनवरी तक पूरा हो जाएगा। उसके बाद भी यदि किसानों की मांग आएगी। किसान यदि धान नहीं बेच पाए होंगे तो धान खरीदी की तारीख बढ़ाने सरकार जरूर विचार करेगी। अपराधियों के घर बुलडोजर कार्रवाई किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, जिनके भी मकान टूट रहे हैं वह अवैध निर्माण है। उनकी खुद की जमीन नहीं है। अगर कोई आपत्ति है तो उनके लिए कोर्ट का दरवाजा खुला है। धीरेंद्र शास्त्री द्वारा कुनकुरी के चर्च को तोड़े जाने वाले बयान पर मुख्यमंत्री ने कहा, ऐसा हमने नहीं सुना है। हम उनके कार्यक्रम में गए थे, धर्मांतरण के खिलाफ उन्होंने कहा है। धर्मांतरण और गौ हत्या के खिलाफ में हम भी हैं। यह नहीं होना चाहिए।

पूर्व खाद्य मंत्री भगत ने धान खरीदी के लक्ष्य पर भाजपा सरकार को किया चैलेंज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी को लेकर लंबे समय से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच वार-पलटवार हो रहा है। ताजा घटनाक्रम में पूर्व खाद्य मंत्री ने भाजपा सरकार के प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी के लक्ष्य के हिसाब से 140 लाख मीट्रिक टन खरीदी की बात कही है। वहीं मंत्री केदार कश्यप ने धान खरीदी का रिकार्ड बनने के साथ आवश्यकता पढ़ने पर धान खरीदी की समय अवधि भी बढ़ाने का भरोसा दिया है।

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने धान खरीदी को लेकर कहा कि हमने जो एक लाख तीस हजार मीट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य अनुमानित किया था, वह 20 क्विंटल (प्रति एकड़) के हिसाब से था। बीजेपी सरकार 21 क्विंटल तय किया है, इस हिसाब से तो 140 लाख मीट्रिक टन जाना चाहिए। सभी को अवसर मिलना चाहिए, सभी का धान खरीदना चाहिए। किसानों से जो धान का एक-एक दाना खरीदने का वादा किया था, उस पर अमल करना चाहिए। वहीं 3100 रुपए में धान खरीदी के लिए अब तक आदेश जारी नहीं होने पर अमरजीत भगत ने कहा कि इनके यहां पहले फाइल नागपुर जाती है, फिर दिल्ली जाती है, और उसके बाद फैसला होता है। पिछली सरकार में निर्णय यहीं हो जाता था।

असम में राहुल गांधी के खिलाफ केस दर्ज किए जाने वाले बयान पर पूर्व मंत्री ने कहा कि हेमंता बिस्वा सरमा बड़बोले कैटेगरी के नेता हैं। थोड़ा बोलकर सुर्खियां बटोरकर मोदी जी के आंखों का तारा बनना चाहते हैं। वह भूल जाते हैं, उनका उद्गम कांग्रेस से हुआ है। जिन शब्दों का प्रयोग करते हैं राजनीति में यह उचित नहीं है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि असम के सीएम को कुंठित विचारधारा से बाहर आना चाहिए। बदले की भावना से पक्षपात नहीं करना चाहिए। अपना कार्यक्रम करने का सबको संवैधानिक अधिकार है। यात्रा को रोकना पीड़ादायक है।

जरूरत पड़ने पर बढ़ेगी धान खरीदी की अवधि

वहीं कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने धान खरीदी को लेकर कहा कि भाजपा ने जो गारंटी दी थी, जो संकल्प लिया था, उसे पूरा किया। अभी और रिकॉर्ड बनेगा। ऐतिहासिक दिन है। आवश्यकता पढ़ने पर समय अवधि भी बढ़ाई जाएगी। वहीं कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक को लेकर केदार कश्यप ने तंज कसते हुए कहा कि वो कांग्रेस के पीसीसी के अध्यक्ष और नेतागण बता पाएंगे।

उन्होंने कहा कि जो आरोप उन पर लगे हैं, वो फिर से उनपर ना लगे। कांग्रेस में कोई सामने आने की स्थिति में नहीं हैं। पूरे देश में मोदी की लहर हैं। चार सौ से ज्यादा सीटों पर हमारी विजय होगी, और छत्तीसगढ़ में ग्यारह सीट पर विजय होगी।

राशनकार्डों का नवीनीकरण शुरू, 29 फरवरी तक कर सकते हैं ऑनलाइन-ऑफलाइन आवेदन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 76.94 लाख राशनकार्डों की नवीनीकरण आज से यानी 25 जनवरी से शुरू हो गई। इसके लिए राज्य स्तरीय अभियान चलाया जाएगा। राशनकार्डों की नवीनीकरण का काम 25 जनवरी से 29 फरवरी के दौरान किया जाएगा। इसके लिए खाद्य विभाग ने नया मोबाइल एप तैयार किया है, जिसे राशनकार्डधारी अपने मोबाइल में डाउनलोड कर राशनकार्ड के नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं। हितग्राही खाद्य विभाग की वेबसाइट http://khadya.cg.nic.in से आवेदन कर सकते हैं।

ऐसे हितग्राही जिनके पास एंड्राइड मोबाइल नहीं है या जहां मोबाइल कनेक्टिविटी नहीं है वहां उचित मूल्य दुकान स्तर पर ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन किया जा सकता है। बस्तर संभाग के जिले जहां मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध नहीं है या नियमित कनेक्टिविटी नहीं है वहां हितग्राहियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष छूट का प्रावधान रखा गया है। साथ ही ऐसे अति वृद्ध या शारीरीक रूप से नि:शक्त हितग्राही, जो अपना ई-केवाईसी अब तक नहीं कराया गया हैं, उन्हें भी राशनकार्ड नवीनीकरण में विशेष सुविधा प्रदान की गई है।

खाद्य विभाग की ओर से तैयार किए गए मोबाइल एप में हितग्राहियों के पास वर्तमान में उपलब्ध क्यूआर कोड को स्केन करने की सुविधा है, जिसके जरिए राशनकार्ड के आवेदन संबंधी समस्त जानकारी स्वत: खाद्य विभाग के डेटाबेस से मोबाइल एप के जरिए उपलब्ध हो जाएगा, जिसकी पुष्टि हितग्राही अपने मोबाइल के जरिए करते हुए आवेदन सुगमता से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

राशनकार्डधारियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन ने राशनकार्ड के नवीनीकरण की प्रक्रिया को पहले से अधिक बेहतर और सरल बनाया गया है ताकि कोई भी पात्र हितग्राही अपना राशनकार्ड नवीनीकृत कराने से वंचित न रहे। राशनकार्ड में शामिल सदस्यों में से किसी भी एक सदस्य का ई-केवाईसी पूर्ण होने की स्थिति में हितग्राही की ओर से मोबाइल एप के जरिए इलेक्ट्रानिक आवेदन प्रस्तुत किया जा सकेगा। इस प्रक्रिया से हितग्राहियों के राशनकार्ड फरवरी तक नवीनीकृत होने के साथ-साथ छूटे हुए सदस्यों के ई-केवाईसी का कार्य भी तेजी से पूर्ण हो जाएगा।

अन्त्योदय, प्राथमिकता, निराश्रित और नि:शक्तजन श्रेणी के जारी राशनकार्डों के लिए राशनकार्ड नवीनीकरण की पूर्ण प्रक्रिया नि:शुल्क होगी। उन्हें नए राशनकार्ड प्राप्त करने के लिए किसी भी प्रकार की राशि का भुगतान नहीं करना होगा। यह राशि राज्य शासन की ओर से वहन की जाएगी। सामान्य श्रेणी के राशनकार्डधारियों के लिए एप के माध्यम से नवीनीकरण के लिए 10 रुपये की राशि निर्धारित की है।

गृहमंत्री विजय शर्मा के बयान पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल का हमला

- 'संविधान पर सरकार को भरोसा नहीं', दायरे में रहकर करनी चाहिए बात

रायपुर। नक्सलियों से बातचीत प्रस्ताव और कवर्धा हत्या मामले में गृहमंत्री विजय शर्मा के बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने निशाना साधा है। भूपेश बघेल ने कहा, गृहमंत्री को संविधान के दायरे में बात करनी चाहिए। न नक्सलियों को संविधान पर भरोसा है और न ही मौजूदा सरकार को। हमारी सरकार के समय हमने संविधान के रास्ते बातचीत करने की बात कही थी। वहीं कवर्धा में हत्या के आरोपी के घर बुलडोजर कार्रवाई मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, कोई भी कार्रवाई संविधान के अनुसार होनी चाहिए। न्याय करना न्यायपालिका का काम है। इसके अलावा कई अन्य मुद्दों को लेकर भी सीएम भूपेश ने भाजपा को घेरा है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यह भी कहा कि, आज गणतंत्र खतरे में है। गणतंत्र को बचाने की यात्रा जारी है। देश में प्रजातंत्र को खत्म किया जा रहा है। संवैधानिक संस्थाओं के अधिकारों में कटौती की जा रही है। संविधान खतरे में है।

छेरछेरा पर्व पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दूधाधारी मठ पहुंचकर भगवान बालाजी महाराज के दर्शन किए। महंत रामसुंदर दास का आशीर्वाद भी लिया। इस दौरान भूपेश बघेल ने महंत रामसुंदर से छेरछेरा भी मांगा। साथ ही बच्चों को दान भी दिया। भूपेश बघेल ने कहा, लोक परंपरा और संस्कृति को बचाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। आज दान पुन्य का बड़ा महत्व है। छेरछेरा हमारी छत्तीसगढ़ी अस्मिता की पहचान है।

मतदाता दिवस पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, छत्तीसगढ़ के सभी मतदाताओं को बधाई। सभी मतदाता अपने मत और अधिकार को लेकर जागरुक रहें। भावनाओं में न बहें, नफरत के आधार पर वोट न करें। सोच-समझकर निर्णय लें।

130 लाख मैट्रिक टन के धान खरीदी का लक्ष्य पूरा होने को लेकर सीएम बघेल ने कहा, अभी तीन-चार और दिन बचे हैं। किसानों का रजिस्ट्रेशन तो ज्यादा हुआ है, धान कम बेंचे हैं। किसान यदि धान नहीं बेंच पाए हैं तो स्थिति देखनी पड़ेगी। खरीदी की तिथि बढ़ाई जानी चाहिए।

राशनकार्ड नवीनीकरण को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तंज कसते हुए कहा, सरकार जो चाहे वो बदल ले। राशनकार्ड बदल ले, फोटो बदल ले। सरकार लेकिन काम करे, उन्हें काम करने दिया जाए। कैसे काम कर रही है, पहले यह तो पता चले।

छत्तीसगढ़ में छेरछेरा पर्व का छाया उत्साह जनप्रतिनिधियों ने दी शुभकामनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकपर्व छेरछरा काफी उत्साह से मनाया जा रहा है। इस दिन ग्रामीण इलाकों में बच्चों की टोली घर-घर जाकर छेरछेरा मांगते हैं। छेरछेरा यानी नई धान की फसल से निकाला गया चावल। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में इस पर्व की अलग ही छटा देखने को मिलती है।ऐसा कहा जाता है कि जो भी इस दिन बच्चों को ये दान करता है वो महादान कहलाता है। हर साल ये पर्व पौष माह की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है।

ऐसी मान्यता है कि कौसल प्रदेश के राजा कल्याण साय मुगल सम्राट ने जहांगीर की सल्तनत में युद्ध कला के प्रशिक्षण के लिए गए थे। इस दौरान 8 साल तक महारानी ने राज-काज का काम संभाला। जब वे वापस लौटे तो महारानी ने सोने-चांदी के सिक्के बांटे। उस दिन से दान देने की परंपरा शुरु हुई। ये परंपरा छेरछेरा के रूप में आज भी प्रदेश में जीवित है। इस दिन बच्चे घर-घर जाकर अरन बरन कोदो दरन, जभे देबे तभे टरन... छेरछेरा, माई कोठी के धान ले हेरते हेरा... बोलकर दान मांगते हैं। इस दिन धान के दान का विशेष महत्व है। इस मौके पर छत्तीसगढ़ के नेताओं ने प्रदेशवासियों को छेरछेरा पर्व की बधाई दी है। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने छेरछेरा पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने छेरछेरा पुन्नी और माता शाकम्भरी जयंती (शाकम्भरी पूर्णिमा) पर हार्दिक शुभकामनाएं दी। छेरछेरा पुन्नी का यह शुभ दिन प्रदेश में चारों ओर सुख-समृद्धि, नई ऊर्जा स्थापित करे।

होलसेल कारोबारियों के ठिकानों पर आईटी रेड

रायपुर। रायपुर में फिर एक बार आयकर विभाग की टीम ने होलसेल कॉस्मेटिक और आर्टिफिशियल ज्वेलरी कारोबारी के ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की है।

जानकारी के मुताबिक बुधवार की देर रात बंजारी रोड पर स्थित केटी कॉम्प्लेक्स में संतोष ज्वेलरी और राहुल ट्रेडर्स इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के अफसर ने रेड की कार्यवाई की है। यह कार्रवाई गुरुवार सुबह तक चली। सूत्रों के मुताबिक तीन गाड़ियों में सवार होकर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के अफसर कारोबारी के ठिकानों पर पहुंचे थे। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के अधिकारी टैक्स की रसीद और दुकान में लेनदेन की जांच की है।

जानकार सूत्रों की माने तो आयकर विभाग की टीम ने यह कार्यवाही बड़े टैक्स चोरी के फर्जीवाड़े के मामले को लेकर की है। संतोष ज्वैलर्स और राहुल ट्रेडर्स में ज्यादातर काम कच्चे बिल के आधार पर होते हैं। इस बात की शिकायत आईटी डिपार्टमेंट तक पहुंची। कच्चे बिल में कारोबार होने की सूचना पर बुधवार की रात को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने दबिश दी। यह कार्रवाई गुरुवार की सुबह तक चली। आईटी की टीम ने लेनदेन से संबंधित दस्तावेज की जांच की।

जगदलपुर में गणतंत्र दिवस की तैयारियां पूरी, सीएम साय करेंगे झंडोत्तोलन

जगदलपुर। बस्तर में गणतंत्र दिवस की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। जगदलपुर के ऐतिहासिक लालबाग मैदान में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सीएम विष्णुदेव साय शिरकत करेंगे। समारोह को लेकर सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए हैं। इसके साथ ही गणतंत्र दिवस समारोह का अंतिम रिहर्सल भी कर लिया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में सर्चिंग बढ़ा दी गई है।

दरअसल, 26 जनवरी को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जगदलपुर के ऐतिहासिक लालबाग मैदान में झंडोत्तोलन करेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए जगदलपुर में सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए हैं। साथ ही नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों द्वारा सर्चिंग ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। इस बारे में बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि, डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा बटालियन, बस्तर फाइटर, सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी सहित अन्य सुरक्षा बालों के द्वारा नक्सल विरोधी अभियान बस्तर में चलाया जा रहा है। किसी भी घटना से निपटने के लिए जवान पहले से तैनात रहेंगे।

डीआईजी केएल ध्रुव को मिला विशिष्ट सेवा पदक

रायपुर। केंद्र सरकार ने हर साल गणतंत्र दिवस पर दिए जाने वाले पुलिस पदकों का ऐलान कर दिया है। इस बार गैलेंट्री अवार्ड के लिए छत्तीसगढ़ के 26 पुलिसकर्मियों का चयन किया गया है। वहीं विशिष्ट सेवा पदक के लिए एक और सराहनीय सेवा पदक के लिए 11 पुलिसकर्मियों का चयन किया गया है।

विशिष्ट सेवा पदक के लिए अबकी बार छत्तीसगढ़ से डीआईजी केएल ध्रुव का चयन किया गया है। डीआईजी ध्रुव को इससे पहले 2014 और 2017 में गैलेंट्री अवार्ड मिल चुका है। वहीं 2021 में उन्हें सराहनीय सेवा मेडल भी मिल चुका है।

वहीं सराहनीय सेवा पदक के लिए जिन 11 पुलिसकर्मियों का चयन किया गया है। उनमें कमांडेंट दुखू राम अचला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा पांडे, पुलिस उप अधीक्षक येशेश्वरी येरेवार, सहायक कमांडेंट टीकाराम कुर्रे, सहायक प्लाटून कमांडर महेश शुक्ला, कंपनी कमांडर जेम्स लाकड़ा, उप निरीक्षक (एम) ओम प्रकाश साहू, प्रधान आरक्षक उदय सिंह सिदार, सब इंस्पेक्टर महेंद्र कुमार पाठक, सहायक उपनिरीक्षक मनोज कुमार साहू और हेड कांस्टेबल देवीशरण सिंह शामिल हैं।

इसके अलावा गैलेंट्री अवार्ड (त्नरू) के लिए इस बार छत्तीसगढ़ के 26 पुलिसकर्मियों का चयन किया गया है, इनमें से 11 पुलिसकर्मियों को मरणोपरांत अवार्ड से नवाजा गया है। इनमें एसआई हेमन्त पटेल, निरीक्षक मालिक राम, एएसआई सुक्खू राम नाग, हेड कांस्टेबल संतोष चंदन, एसआई साकेत कुमार बंजारे, पुलिस कमांडर भुवन सिंह बोरा, एसआई संजय पाल, एसआई धर्म सिंह तुलावी, एसआई वीरेंद्र कंवर, एसआई पतिराम पोडियामी, पुलिस कमांडर दिलीप कुमार वासनिक, हेड कांस्टेबल स्वर्गीय रमेश जुर्री, कॉन्स्टेबल स्वर्गीय रमेश कोरसा, कॉन्स्टेबल स्वर्गीय सुभाष नायक, कॉन्स्टेबल स्वर्गीय रामदास कोर्राम, कॉन्स्टेबल स्वर्गीय जगतराम कंवर, कॉन्स्टेबल स्वर्गीय सुख सिंह, कॉन्स्टेबल स्वर्गीय रमाशंकर सिंह, कॉन्स्टेबल स्वर्गीय शंकर नाग, सहा। कॉन्स्टेबल स्वर्गीय किशोर एंड्रिक, सहा। कॉन्स्टेबल स्वर्गीय संकूराम सोढ़ी, सहा। कॉन्स्टेबल स्वर्गीय बोसाराम कार्तमी, एसआई धर्म सिंह तुलावी, हेड कांस्टेबल शिव कुमार रामटेके, कॉन्स्टेबल छनु राम पोयाम और कॉन्स्टेबल गौतम कोरसा शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement portel : https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 151908/निविदा सूचना क्र. 34/वलेलि/2023-24, बालोद दिनांक. 23.01.24

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 13.02.2024 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम- बालोद जिले के विकासखण्ड गुण्डरदेही की खरखरा मोंहदीपाट मध्यम परियोजना के कसही वितरक नहर के परना सब वितरक नहर आर.डी. 2520 मी. से 5880 मी. झीका माईनर नं. 01 आर.डी. 0 मी. से 1500 मी. झीका माईनर नं. 02 आर.डी. 0 मी. से 1290 मी. कांदुल माईनर नं. 2 आर.डी. 0 मी. से 960 मी. का रिमाडलिंग एवं लाईनिंग, 03 नग व्ही.आर.बी. 11 नग फाल का मरम्मत, 12 नग व्ही.आर.बी. का मरम्मत एवं 03 नग इनलेट 04 नग आउटलेट का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत- रू. 289.33 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 30.01.2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित /पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, बालोद
कृते-मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर, छत्तीसगढ़

जी-07315/11

लखनऊ सीट को वॉकओवर देने के मूड में है सपा?

अजय कुमार

भारतीय जनता पार्टी के सांसद और मोदी सरकार में टॉप तीन नेताओं में गिने जाने वाले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह क्या अबकी बार भी बीजेपी की तरफ से लखनऊ से लोकसभा प्रत्याशी होंगे? यह सवाल इसलिए उठा है क्योंकि उनकी उम्मीदवारी की घोषणा बीजेपी की तरफ से अभी तक नहीं हुई है। यह भी कहा जा रहा है कि यदि वह चुनाव लड़ते हैं (इस बात की चर्चा है कि राजनाथ चुनाव लड़ने के मूड में नहीं हैं) तो उनकी या अन्य किसी बीजेपी प्रत्याशी की जीत की राह में शायद कोई बड़ा रोड़ा नहीं आयेगा क्योंकि यहां इंडी गठबंधन दरकता नजर आ रहा है। एक तरफ सपा और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर बैठकें हो रही हैं तो दूसरी तरफ सपा ने लखनऊ मध्य विधान सभा क्षेत्र के विधायक रविदास मेहरोत्रा का लखनऊ से अपना लोकसभा प्रत्याशी घोषित कर दिया है। रविदास 2022 में हुए विधान सभा चुनाव में मात्र साढ़े छह हजार वोटों से चुनाव जीते थे, ऐसे में रविदास को राजनाथ के सामने काफी कमजोर प्रत्याशी माना जा रहा है। बीते कई लोकसभा चुनाव में सपा यहां भाजपा के खिलाफ ज्यादा दमदार और लोकप्रिय प्रत्याशी उतारती रही है, जिसके मुकाबले भी रविदास काफी कमजोर प्रत्याशी लग रहे हैं। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी अपनी तैयारियों में जुटे हैं। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी ने अपने पत्ते धीरे-धीरे खोलने शुरू कर दिए हैं। यदि गठबंधन होता है और लखनऊ लोकसभा सीट कांग्रेस के हिस्से में न जाकर समाजवादी पार्टी के पक्ष में जाती है तो भी लखनऊ में त्रिकोणीय मुकाबला ही होगा। भाजपा और सपा के अलावा बसपा भी यहां से संभवत: अपनी मजबूत दावेदारी पेश करेगी। बात सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा की कि जाये तो रविदास छात्रसंघ से निकलकर राजनीति में आए थे। रविदास पहली बार 1989 में विधायक चुने गए थे। साल 2012 विधानसभा चुनाव में सपा नेता रविदास मेहरोत्रा ने लखनऊ मध्य सीट से जीत दर्ज की थी। इसके बाद उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाया गया था। हालांकि 2017 में रविदास मेहरोत्रा को जीत नहीं मिली लेकिन 2022 विधानसभा चुनाव में उन्होंने फिर लखनऊ मध्य की सीट पर समाजवादी पार्टी का झंडा फहरा दिया था। रविदास को लखनऊ से उम्मीदवार बनाए जाने को लेकर सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने कहा कि अभी अधिकारिक घोषणा होना बाकी है लेकिन सूत्रों की मानें तो रविदास मेहरोत्रा का नाम लखनऊ के लिए लगभग तय है। लखनऊ लोकसभा सीट की बात करें तो यह सीट बीजेपी का गढ़ मानी जाती है। लखनऊ लोकसभा सीट पर बीजेपी का 1991 से कब्जा है। साल 2004 तक पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इस सीट का प्रतिनिधित्व किया था। इसके बाद 2009 लोकसभा चुनाव में लालजी टंडन सांसद बने। बीजेपी के लिए अजेय बनी इस सीट पर 2014 में फिर कमल खिला। साल 2014 लोकसभा चुनाव में राजनाथ सिंह बीजेपी से सांसद बने। समाजवादी पार्टी ने 1996 से लेकर 2019 तक सिने स्टार राजबब्बर, फिल्म निर्माता मुजफ्फर अली से लेकर फिल्म स्टार शत्रुघ्न सिन्हा की पत्नी तक को चुनाव लड़ाया। इसके अलावा भगवती सिंह, मधु गुप्ता और अभिषेक मिश्रा जैसे स्थानीय चेहरों पर भी दांव लगाया लेकिन नतीजे नहीं बदले। पार्टी अब स्थानीय चेहरे के भरोसे 2024 में लखनऊ से उम्मीदें जोड़ने की तैयारी में है। देखना यह है कि बसपा लखनऊ लोकसभा सीट को लेकर कितनी गंभीर है और क्या कांग्रेस लखनऊ से अपना प्रत्याशी नहीं उतारने के लिए मान जायेगी। कुल मिलाकर लखनऊ संसदीय सीट पर बीजेपी को वॉकओवर मिलता दिख रहा है।

विचारधारा का चयन तो वोटर ही करेंगे

अजय सेतिया

भारतीय जनता पार्टी के बारे में कहा जाने लगा है कि वह हमेशा चुनावी मूड में रहती है। एक चुनाव सम्पन्न होता है, तो वह दूसरे की तैयारी शुरू कर देती है, भले ही दूसरा चुनाव कितना भी दूर हो। यही कारण है कि हाल ही के वर्षों में भाजपा लगातार कई चुनाव जीतने में सफल रही है। महंगाई और बेरोजगारी के बड़े मुद्दों को पछाड़ते हुए भाजपा ने जन कल्याण की योजनाओं और हिंदुत्व के लिए प्रतिबद्धता पर चलते हुए भाजपा ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में अपनी जीत दोहराई। हाल ही में मध्यप्रदेश में अपनी सरकार बचाई और राजस्थान, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस से सरकारें छीनी। यह सिर्फ चुनावी तैयारियों में लग जाने के कारण नहीं हुआ, इसकी एक वजह उसकी हिंदुत्व की विचारधारा है, जो महंगाई और बेरोजगारी जैसे तात्कालिक मुद्दों पर भारी पड़ गई है। विचारधारा के लिहाज से कांग्रेस मध्यमार्गी पार्टी थी, जो सबको साथ लेकर चलने में विश्वास रखती थी। कांग्रेस के भीतर कई विचारधाराओं समावेश था, और उनमें टकराव भी होता रहता था। वहीं, 1952 में भारतीय जनसंघ का गठन हिंदुत्व की विचारधारा पर हुआ था। भारत के पहले और अंतिम गवर्नर जनरल सी. राजगोपालाचारी और कुछ अन्य कांग्रेस नेताओं ने महसूस किया कि जवाहरलाल नेहरू कांग्रेस की मूल विचारधारा से भटक गए हैं और कम्युनिस्ट और समाजवादी विचारधारा की ओर बढ़ रहे हैं। उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी और सरकार समाजवादी और राज्यवादी दृष्टिकोण अपनाने लगी थी, तो राजगोपालाचारी ने स्वतंत्र पार्टी का गठन किया, जिसका मकसद नेहरू के लाईसेंस राज को खत्म करके बाज़ार आधारित अर्थव्यवस्था स्थापित करना था।

1962 में चीन के हमले में भारत की शर्मनाक पराजय तक देश में नेहरू का कहीं कोई विकल्प तक नहीं था। चीन से युद्ध में हार के बाद 1963 में समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया उप चुनाव जीत कर लोकसभा में पहुंचे। 1964 में दूसरे समाजवादी नेता मधु लिमए उपचुनाव जीत कर लोकसभा पहुंचे, और स्वतंत्र पार्टी के मीनू मसानी भी उपचुनाव जीत कर लोकसभा में पहुंच गए। इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 1967 के आम चुनावों में कांग्रेस को करारा झटका लगा, उसका वोट पिछले चुनाव के मुकाबले 4 प्रतिशत घट गया। जहां इससे पहले के तीनों चुनावों में कांग्रेस तीन चौथाई सीटें जीत रही थी, वहीं 1967 के आम चुनावों में उसे 520 में से सिर्फ 283 सीटें आई, जो बहुमत से सिर्फ 22 सीटें ज्यादा थी। मुक्त आर्थिक व्यवस्था की समर्थक स्वतंत्र पार्टी 44 लोकसभा सीटों के साथ दूसरे नंबर पर रही और हिंदुत्व की विचारधारा वाली भारतीय जनसंघ को 35 सीटें मिलीं।

1967 में बिखरा हुआ, परस्पर विरोधी विचारधाराओं वाला, लेकिन मजबूत विपक्ष उभर कर आया था, जिसमें स्वतंत्र पार्टी, जन संघ, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, प्रजा सोशलिस्ट पार्टी, संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी, और क्षेत्रीय पार्टियां भी बड़ी तादाद में सांसदों के साथ लोकसभा चुनाव जीती थीं। तब तक कई विचारधाराएं उभर रही थीं और चुनाव विचारधाराओं पर लड़े जाते थे। 1967 तक लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ साथ होते थे। नौ राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई थी, तब राम मनोहर लोहिया ने विचारधाराओं को त्याग कर गैर कांग्रेस वाद का नारा दिया, जिससे उन 9 राज्यों में संयुक्त विधायक दलों की सरकारें बन गईं। आज़ादी के दो दशक बाद दो विपरीत विचारधाराएं एक दूसरे के नजदीक आईं, तो 9 राज्यों में वैकल्पिक सरकारें बनीं। जब 1969 में इंदिरा गांधी ने कांग्रेस को तोड़ा, तब तक विचारधाराओं का विकास हो रहा था। कांग्रेस के भीतर से पार्टी को संतुलित करने की कोशिश जारी थी। उसके बाद कांग्रेस ने मध्यमार्ग पूरी तरह छोड़ दिया। भारतीय जनसंघ हिंदुत्व की विचारधारा पर आगे बढ़ने लगी, जबकि कांग्रेस समेत बाकी सारी पार्टियां कम्युनिस्ट और समाजवादी विचारधारा की बनती चली गई। 1975 में एक बार फिर 1967 दोहराया गया, जब राम मनोहर लोहिया की जगह जयप्रकाश नारायण ने ली। इस बार कम्युनिस्टों और कांग्रेस को छोड़ कर बाकी सभी पार्टियों ने विलय करके जनता पार्टी बना ली थी। जिसकी केंद्र में सरकार भी बन गई, लेकिन दो साल के भीतर ही जनता पार्टी में विचारधाराओं का संघर्ष शुरू हो गया। यह संघर्ष मुख्यत: हिंदुत्व की विचारधारा वाले पूर्व जन संघियो और समाजवादियों के बीच था।

जन संघियों ने जनता पार्टी से बाहर निकल कर 1980 में भारतीय जनता पार्टी बना ली। शुरू में तो भाजपा ने गांधी के हिन्द स्वराज की परिकल्पना के आधार पर गांधीवादी समाजवाद को अपनी विचारधारा के तौर पर अपनाया। महात्मा गांधी की पुस्तक हिन्द स्वराज में एक ऐसे राज की परिकल्पना है, जिसमें राजनीतिक और आर्थिक शक्ति का विकेंद्रीकरण होगा, इसके अलावा बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण को नकारना, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता पर जोर देना है। लेकिन 1984 के पहले ही लोकसभा चुनाव में (जो इंदिरा गांधी की हत्या के कारण एकतरफा कांग्रेस के पक्ष में चला गया था) भाजपा को सिर्फ दो सीटें मिलने के कारण भाजपा जल्द ही अपनी मूल हिंदुत्व की विचारधारा पर लौट आई। 1983 में रामजन्मभूमि मुक्ति का आन्दोलन शुरू हो चुका था, और 1989 में भाजपा उस आन्दोलन में कूद गई।

भाजपा की हिंदूवादी विचारधारा के कारण उसकी ताकत बढ़ने लगी थी, जिससे पूर्ववर्ती जनता पार्टी से निकले दलों की चिंता बढ़ने लगी थी। वे भले ही छोटे छोटे क्षेत्रीय दल थे, लेकिन केंद्र की गैर कांग्रेस वीपी. सरकार में शामिल थे। भाजपा के हिन्दुओं में बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए उन्होंने हिन्दुओं को विभाजित करने के लिए मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करवा कर अगड़ों पिछड़ों में संघर्ष करवा दिया। इस तरह सेक्यूलरिज्म के नाम पर जातिवादी राजनीति का उदय हुआ, जिसे जनता पार्टी से ही टूट कर बनी उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव की समाजवादी पार्टी, बिहार में लालू यादव की राष्ट्रीय जनता दल, और काफी हद तक शरद यादव के जनता दल ने भी अपनाया। भाजपा की राजनीति को कमंडल की राजनीति और जातिवाद की राजनीति करने वालों को मंडल की राजनीति कहा गया।

मंडल की राजनीति ने बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया। कमंडल की राजनीति ने गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल में कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया। मंडल और कमंडल की राजनीति से वामपंथी झुकाव वाली कांग्रेस हवा हो गई। दक्षिण के सभी राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियों ने पहले ही कांग्रेस को लंबे समय से सत्ता से बाहर किया हुआ था। अब वही कांग्रेस जातिवादी राजनीति अपनाने को मजबूर है। वह बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश में मंडल की राजनीति करने वालों की पिछलग्गू पार्टी बन कर रह गई है, क्योंकि इन तीनों राज्यों में मंडल कमंडल की राजनीति आमने सामने है।

पिछले 33 साल में स्थितियां एकदम बदल चुकी हैं। भारतीय जनता पार्टी अब ब्राह्मण बनियों की पार्टी नहीं रही, वह सर्वजातीय पार्टी बन गई है, उग्र हिंदुत्ववाद ने मंडल की जातियों को समाहित कर लिया है। भाजपा का नेतृत्व अब मंडल वाली जातियों के हाथ में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद पिछड़ी जाति से हैं। मध्यप्रदेश में पिछड़ी जाति और छत्तीसगढ़ में आदिवासी को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने मंडल का मुद्दा भी कांग्रेस और मंडलवादी पार्टियों से छीन लिया है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस की 42 साल सरकार रही, लेकिन उसके सारे मुख्यमंत्री ब्राह्मण या ठाकुर रहे। जबकि भाजपा ने मंडल के हाथ में कमंडल थमा दिया है। भारतीय जनता पार्टी 2024 के लोकसभा चुनावों में मंडल की राजनीति को परास्त करने के लक्ष्य से आगे बढ़ रही है।

कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्षी दलों का इंडी एलायंस मंडल की राजनीति को आगे बढाने के एजेंडे पर चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पिछड़ी जातियों के सबसे बड़े नेता रहे कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिलाकर मंडल की राजनीति करने वाले तीन बड़े दलों राष्ट्रीय जनता दल, जेडीयू और समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका दिया है। जातीय जनगणना का नारा लगाकर चुनावी वैतरणी पार करने की सोच रही कांग्रेस के सामने मोदी ने बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। सवाल यह है कि कांग्रेस ने न केवल जाति आधारित जनगणना का हमेशा विरोध किया, बल्कि कभी किसी पिछड़ी जाति के नेता को भारत रत्न जैसा सर्वोच्च सम्मान भी नहीं दिया था। मोदी सरकार ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न का सम्मान देकर बताया है कि भाजपा की राजनीति अब %कमंडल% तक सीमित नहीं है, बल्कि उसने सोशल इंजीनियरिंग करके मंडल को भी समाहित कर लिया है। 2014 तक ओबीसी खुद को भाजपा से दूर कर रहे थे, लेकिन उसके बाद से राजनीति पूरी तरह से बदल गई हैं। मंडल के खिलाफ कमंडल खड़ा करने की राजनीति बदल गई है। भाजपा अब अति पिछड़ों से जुड़ गई है, जो पहले मंडल का हिस्सा हुआ करता था।

भाजपा सरकार ने अगर श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर बनवा कर हिंदुत्व की विचारधारा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाई है, तो ग्रामीण इलाकों में ग़रीबों के लिए लाई गई कल्याण योजनाओं की वजह से मंडल की जातियों को भी अपने साथ जोड़ा है। जबकि कांग्रेस और अन्य भाजपा विरोधी दलों की विचारधारा सेक्यूलरिज्म है, लेकिन आज वे हिंदुत्व बनाम सेक्यूलरिज्म की लड़ाई लड़ने को तैयार नहीं। वे जातीय जनगणना जैसे विघटनकारी मुद्दे ढूंढ रही हैं। भाजपा ने हिंदुत्व के साथ जन कल्याण की योजनाएं लागू करके सेक्यूलरिज्म की राजनीति को परास्त कर दिया है। श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर बनने के बाद बने वातावरण में विपक्षी पार्टियां हिंदुत्व बनाम सेक्यूलरिज्म का चुनाव बनाने से बिदकेंगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-3)

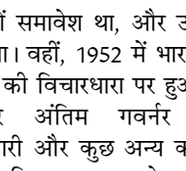

गतांक से आगे...

मैं उपनिषद् में प्रतिपादित अविनाशी ब्रह्म के स्वरूप को कभी भी अस्वीकार न करूँ तथा वह ब्रह्म भी हमारा कभी परित्याग न करे। (वह) मुझे सदैव अपने सामीप्य का बोध कराता रहे। (उस ब्रह्म के साथ मेरा तथा मेरे साथ उस ब्रह्म का) प्रगाढ़ सम्बन्ध सतत बना रहे। उपनिषदों में वर्णित जो समस्त धर्म हैं, वे सभी उस परमात्म तत्त्व में निरत मुझमें सदैव प्रकाशित होते हुए स्थिर रहें। हे परमात्मन् ! त्रिविध ताप शान्त हों।

अब (ईश प्रार्थना के बाद) महोपनिषद् के व्याख्यान का शुभारम्भ किया जा रहा है। सृष्टि के आदि में एकमात्र भगवान् नारायण ही थे। इनके अतिरिक्त ब्रह्मा, रुद्र, आप: (जल), अग्नि एवं सोम आदि देवगण नहीं थे। ये द्युलोक तथा पृथ्वीलोक भी नहीं थे और न ही नक्षत्र, चन्द्रमा एवं सूर्य आदि ही थे। ऐसी स्थिति में उन (विराट् पुरुष) को एकाकी रहना बिल्कुल अच्छा नहीं लगा।

उन (विराट् पुरुष) का अन्त:करण में स्थित ध्यान यज्ञस्तोम अर्थात् श्रेष्ठ यज्ञ कहलाया। उनके द्वारा एक कन्या एवं चौदह पुरुष प्रादुर्भूत हुए। जिनमें से चौदह पुरुष ज्ञानेन्द्रिय एवं कर्मेन्द्रिय सहित दस इन्द्रियाँ, एकादश-तेजस्वी मन, द्वादश अहंकार, तेरह और चौदह क्रमश: प्राण और आत्मा हैं तथा पन्द्रहवीं बुद्धि कन्या के नाम से कही गयी है। इनके अलावा पाँच सूक्ष्मभूत रूपी तन्मात्राएँ एवं पाँच महाभूत आदि इन पच्चीस तत्त्वों के संयोग से एक विराट् पुरुष के शरीर का निर्माण हुआ।

उस (विराट् शरीर) में ही परमात्मरूप आदिपुरुष ने प्रवेश किया। (इन पच्चीस तत्त्वों से संयुक्त पुरुष से) प्रधान संवत्सर आदि प्रकट नहीं होते। (अपितु) आदि पुरुष के कालरूप संवत्सर से ही (संवत्सर) प्रादुर्भूत हुए हैं।

क्रमश: ...

भारतीय गणतंत्र दिवस

हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का पर्व मनाया जाता है। यह दिन हर भारतीय के लिए खास होता है। इस साल देश 75वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। गणतंत्र दिवस के मौके पर हर साल इंडिया गेट से लेकर राष्ट्रपति भवन तक राजपथ पर भव्य परेड का आयोजन होता है।

26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ था और भारत एक लोकतांत्रिक व संवैधानिक राष्ट्र बन गया। यही वजह है कि हर साल इस खास दिन की याद में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। देश आजाद होने के बाद 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने संविधान अपनाया था। इस वर्ष देश 75वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। वर्ष 1947 में देश की आजादी के बाद संविधान निर्माण की तैयारी शुरू हो गई। इसके लिए भारतीय संविधान सभा का गठन हुआ और

26 जनवरी 1949 को संविधान को अपना लिया गया। हालांकि आधिकारिक तौर पर इसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया।

1949 में 26 नवंबर को संविधान सभा ने संविधान को अपना लिया था। इसको लागू 26 जनवरी को किया गया। इसका कारण था कि 26 जनवरी 1930 में आज ही के दिन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भारत को पूर्ण स्वराज घोषित किया था। बीस साल बाद उसी दिन संविधान लागू किया गया। बता दें कि भारतीय संविधान हाथ से लिखा गया था, जो आज भी संसद की लाइब्रेरी में सुरक्षित है। इसे तैयार करने में दो साल 11 महीने और 18 दिन का समय लगा था।। भारत का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा हाथ से लिखा हुआ संविधान कहा जाता है। 24 जनवरी 1950 को संविधान की दो हस्तलिखित कॉपियों पर साइन किए गए थे। फिर इसके दो दिन बाद यानी 26 जनवरी को देश भर में संविधान लागू हो गया। भारतीय संविधान की ये कॉपियां हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में हाथ से लिखी गई हैं। आज भी ये कापियां संसद भवन की लाइब्रेरी में सुरक्षित रखी हुई हैं।

जानें कुछ रोचक तथ्य

1949: संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ: राजेन्द्र प्रसाद को भारत का संविधान सुपूर्द किया गया। इस दिन भारत का संविधान बनकर तैयार हुआ।

1950: भारत एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित हुआ और भारत का संविधान लागू हुआ।

1929: दिसंबर महीने में लाहौर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ। इस अधिवेशन की अध्यक्षता पंडित जवाहरलाल नेहरू ने की।

26 जनवरी 1930: जब अंग्रेज सरकार ने कुछ नहीं दिया तब कांग्रेस ने उस दिन भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के निश्चय की ऐलान किया।

26 जनवरी 1930: भारत ने स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया।

1947 में देश के आजाद होने तक 26 जनवरी स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता रहा। इसके बाद देश आजाद हुआ और 15 अगस्त को भारत के स्वतंत्रता दिवस के रूप में स्वीकार किया गया।

चुनावी तैयारियों में इंडिया गठबंधन की सुस्त चाल

राज कुमार सिंह

यह सच है कि हर चुनाव अलग होता है, पर वह लड़ना तो पड़ता है। सच यह भी है कि हर चुनाव के लिए अलग रणनीति बनानी पड़ती है। ऐसे में लोकसभा चुनाव के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष की चुनावी रणनीति और तैयारियों पर निगाह डालें, तो विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' भाजपा की अगुवाई वाले गठबंधन एनडीए के विरुद्ध फिलहाल कहीं टिकता नजर नहीं आता। बेशक बैठकें 'इंडिया' की ज्यादा हुई हैं, पर कोई ठोस परिणाम अभी तक नजर नहीं आया। 'इंडिया' गठबंधन में अनबन की चर्चाएं अक्सर चलती रहती हैं, जिनकी सच्चाई का दावा अगर नहीं किया जा सकता, तो बहुत विश्वसनीय खंडन भी नहीं किया जाता। अभी तक 'इंडिया' न तो संयोजक का नाम तय कर पाया है, न ही किसी भी राज्य में सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप दे पाया है। अगर घटक दलों के नेता वर्चुअल मीटिंग तक के लिए समय नहीं निकाल पाते, तब गठबंधन के प्रति उनकी गंभीरता पर सवाल उठेंगे ही। अभी तक सपा और रालोद के बीच उत्तर प्रदेश में सीट बंटवारे का ही विवरण सामने आया है। हालांकि सीटों और उनकी संख्या में कुछ फेरबदल अंतिम समय तक संभव है, लेकिन कम से कम इतनी जानकारी सार्वजनिक हुए बिना सकारात्मक चर्चा और सही दिशा में आगे बढ़ने जैसे राजनीतिक जुमलों का जनता तो दूर, कार्यकर्ताओं पर भी कोई असर नहीं होता। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के

चुनाव में जीत के बाद भाजपा ने तीन दिसंबर, 2023 को '400 पार' और मोदी सरकार की 'हैट्रिक' का नारा दिया। जमीनी राजनीतिक समीकरणों में वह लक्ष्य आसान नहीं लगता, पर भाजपा उसे हासिल करने की दिशा में जुट अवश्य गयी है। दक्षिण भारत भाजपा की राजनीति की सबसे कमजोर कड़ी है। वहां की 131 लोकसभा सीटों में से 2019 में भाजपा सिर्फ 29 ही जीत पायी थी, यानी कांग्रेस से केवल एक ज्यादा। फिर कांग्रेस ने भाजपा से दक्षिण भारत में उसके एकमात्र दुर्ग कर्नाटक की सत्ता भी छीन ली, जहां से पिछली बार भाजपा 24 लोकसभा सीटें जीतने में सफल रही थी। कांग्रेस तेलंगाना में भी सरकार बनाने में सफल हो गयी, जहां भाजपा ने पिछली बार चार सीटें जीती थीं। जाहिर है, पिछले लोकसभा चुनाव में अपने दम पर 303 सीटें जीतनेवाली भाजपा के 400 पार के लक्ष्य की राह में चुनौतियां अपार हैं। फिर भी खुद प्रधानमंत्री मोदी जिस तरह दक्षिण भारत को मिशन बना कर जुट गये हैं, वह किसी भी दल और नेता के लिए मिसाल है। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा उत्तर भारत में हुई, पर उससे बने माहौल का लाभ उठाने के लिए ही सही, मोदी ने 11 दिन के विशेष अनुष्ठान के दौरान मंदिर-मंदिर पूजा-अर्चना कर दक्षिण और पश्चिम भारत की भी परिक्रमा कर ली। इस दौरान उन्होंने बड़ी-बड़ी परियोजनाओं की सौगात भी दी। दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन अभी तक संयोजक और सीटों के बंटवारे पर ही अटका है, साझा न्यूनतम कार्यक्रम और संयुक्त चुनाव प्रचार की रणनीति तो दूर की बात है। कांग्रेस विपक्षी गठबंधन का सबसे बड़ा घटक दल है, पर उसके सबसे बड़े नेता राहुल गांधी की प्राथमिकता भारत जोड़ो न्याय यात्रा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे गठबंधन से जुड़े मुद्दों पर अपेक्षित सक्रियता नहीं दिखा रहे। एनडीए और 'इंडिया' की चुनावी तैयारियों का यह अंतर तब और ज्यादा बड़ा नजर आता है, जब आप देखें कि एनडीए की सरकारें 16 राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में हैं, जबकि 'इंडिया' की मात्र सात राज्यों में। वैसे सातवें राज्य केरल में वाम मोर्चा की सरकार है और दावे से नहीं कहा जा सकता कि ममता बनर्जी के विरोध के चलते वाम दल 'इंडिया' गठबंधन में रह भी पायेंगे या नहीं। दिल्ली और पंजाब में सरकार वाली आम आदमी पार्टी के साथ भी कांग्रेस के गठबंधन को लेकर अभी तक असमंजस बना हुआ है। बिहार में तो जद(यू), राजद और कांग्रेस का महागठबंधन पुराना है, पर वहां भी सीटों का बंटवारा अभी नहीं हो पाया है। जिस भाजपा को चुनावी टक्कर देने के लिए विपक्ष के 28 दलों ने नया गठबंधन बनाया है, उसकी अकेले 12 राज्यों में सरकार है, जबकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की अपनी सत्ता सिर्फ तीन राज्यों- हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना- तक सिमट गयी है। हिमाचल से मात्र चार लोकसभा सदस्य चुने जाते हैं और पिछले चुनाव में चारों सीटें भाजपा ने जीती थीं। कर्नाटक और तेलंगाना से क्रमश: 28 और 17 लोकसभा सदस्य चुने जाते हैं।

'इंडिया' शासित पश्चिम बंगाल, बिहार और तमिलनाडु से क्रमश: 42, 40 और 39 लोकसभा सदस्य चुने जाते हैं, पर यह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि लोकसभा की 543 सीटों में से आधी जिन राज्यों में हैं, वहां एनडीए की सरकारें हैं। कई राज्यों में एनडीए को पिछली बार 50 प्रतिशत से भी ज्यादा वोट मिला था। ऐसे में 'इंडिया' की चुनावी तैयारियों की सुस्त चाल उसके घटक दलों की नीति और नीयत दोनों पर ही सवालिया निशान लगाती है, क्योंकि हर सीट पर साझा उम्मीदवार उतारे बिना एनडीए का मुकाबला मुमकिन नहीं लगता और सीट बंटवारे में हो रहा विलंब उसकी संभावनाओं को क्षीण ही कर रहा है।

आज का इतिहास

1980 इजरायल और मिस्र ने राजनयिक संबंध स्थापित किये
1981 वायुदूत हवाई सेवा की शुरुआत हुयी।
1982 माउनो कोइविस्टो फिनलैंड के राष्ट्रपति चुने गए।
1988 ऑपेरा का प्रेत, सबसे लंबे समय तक चलने वाला ब्रॉडवे खेल का उद्घाटन किया गया।
1991 युद्धवीर मोहम्मद फ़राह सहायता और उनके विद्रोही दल, यूनाइटेड सोमाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गुटों ने सोमालिया के राष्ट्रपति सेड बर्रे को पद से हटा दिया।
1993 एडिलेड में चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज ने एक रन से हराया।
1997 पीट सम्प्रास ने 85 वें ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टेनिस में कार्लोस मोया को 62, 63, 63 से हराया।
1998 स्पाइस गर्ल्स एंड बेबी फेस ने 25 वां अमेरिकन म्यूजिक अवार्ड जीता।
1998 इंटेल ने 333 मेगाहर्ट्ज पेंटियम II चिप लॉन्च की।
1998 एक राष्ट्रीय टेलीविज़न प्रेस कॉन्फ्रेंस में, अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने आंतरिक मोनिका लेविंस्की के साथ यौन संबंध होने से इनकार किया।
2004 अफगानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करजई ने देश के नये संविधान पर हस्ताक्षर किए।
2009 एंटानानारिवो, मेडागास्कर में दंगे भड़क गए, जिससे राजनीतिक संकट पैदा हो गया, जिसके कारण राष्ट्रपति मार्क रावलोमनाना को पद छोड़ना पड़ा।
2010 जेम्स कैमरन की फिल्म अवतार अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इसने अपनी खुद की फिल्म टाइटैनिक के संग्रह का रिकॉर्ड पार कर लिया है।
2011 दावोस, स्विट्जरलैंड 41 वें विश्व आर्थिक मंच की मेजबानी करता है।
2013 बेनामी, हैकरों के समूह ने अमेरिकी प्रेषक आयोग की वेबसाइट को हैक कर लिया।

क्या मध्यावधि चुनाव की ओर बढ़ रहा है बिहार?

आलोक कुमार

बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल (यूनाइटेड) कमज़ोर स्थिति से उबरने के लिए विधानसभा भंग कर मध्यावधि चुनाव में जाने की सोच रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी नई सोच से बिहार में इंडिया गठबंधन के गार्जियन लालू प्रसाद और उनके पुत्र उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को पिछली मुलाकात में अवगत करा दिया है। असल में जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भारतीय सियासत के ऐसे सूरमा हैं जो हमेशा विकल्पों से लबरेज रहते हैं। लोकसभा चुनाव के समय उनके पास वापस एनडीए में लौटने का विकल्प तेजी से तैयार हो रहा है, वहीं इंडिया गठबंधन में उनको खास अहमियत देने की तैयारी भी चल रही है। लालू परिवार के साथ सरकार चलाते हुए एक ओर वह परिवारवादी राजनीति पर हमला भी कर रहे हैं तो दूसरी ओर भारत न्याय यात्रा के सिलसिले में बिहार के पूर्णिया पहुंच रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के स्वागत में मुख्यमंत्री की मौजूदगी सुनिश्चित की जा रही है।

मतलब वो राजनीति में इंडिया और एनडीए दोनों के लिए महत्वपूर्ण बने रहने की कलाबाजी कर रहे हैं, फिर भी उनका मन लोकसभा के साथ ही डेढ़ साल पहले ही बिहार विधानसभा को भंग करके मध्यावधि चुनाव कराने को मचल रहा है।

मौजूदा विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड के महज 45 सदस्य हैं। संख्या बल में यह तीसरे नंबर की पार्टी है। खास राजनीतिक परिस्थितिवश सदन में सबसे ज्यादा 79 विधायकों वाली राष्ट्रीय जनता दल नीतीश सरकार का सहयोगी है। 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में विपक्ष में बैठने को

मजबूर हुई भारतीय जनता पार्टी के पास राजद से एक कम यानी 78 विधायक हैं।

सरकार में सहयोगी पार्टनर जेडीयू और राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष की आपसी बातचीत में कार्यकाल पूरा होने से डेढ़ साल पहले विधानसभा भंग करने का यह सुझाव महत्वपूर्ण है। दोनों दलों के बीच लोकसभा सीटों की संख्या को लेकर सहमति बन चुकी है। साथ चुनाव होने से सीट बंटवारे को लेकर बराबरी वाला समझौता विधानसभा सीटों पर भी लागू होगा और इसका तत्काल प्रत्यक्ष लाभ सत्तारूढ़ जेडीयू को मिलेगा।

बिहार से लोकसभा की 40 सीटें हैं। उनमें जेडीयू के 16 सांसद हैं। बराबरी के संख्या सिद्धांत के आधार पर जदयू लोकसभा की इतनी ही यानी 16 सीटें राष्ट्रीय जनता दल को देने के हक में है। बाकी आठ सीटें कांग्रेस व अन्य सहयोगी दलों के बीच बंटवारे के लिए छोड़ने का प्रस्ताव है। अगर यही प्रस्ताव विधानसभा सीटों पर लागू हों तो 243 सदस्यीय विधानसभा में 110 सीटों के लगभग जदयू और राजद आपस में बांट लें। शेष 23 सीटें इंडिया गठबंधन की कांग्रेस व अन्य सहयोगी दलों के लिए छोड़ी जाएं। इंडिया गठबंधन में एक मूक समझौता के तहत जदयू और राजद दोनों एकदूसरे को मजबूती देने और कांग्रेस को हाशिए पर रखने में मदद कर रहे हैं।

लोकसभा और विधानसभा का पिछला चुनाव जदयू ने एनडीए में रहते लड़ा था। इसलिए गठबंधन में सीटों का बंटवारा नए सिरे से होना है। 2019 लोकसभा चुनाव में जदयू ने भाजपा के साथ मिलकर लड़ते हुए राजद को लोकसभा में शून्य के आंकड़े पर पहुंचा दिया था। इस दमदार ताकत की वजह से एकबार फिर लोकसभा चुनाव में जदयू को भाजपा से निमंत्रण मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। जबकि दिसंबर 2020 के विधानसभा चुनाव में जदयू को एनडीए में अप्रत्याशित अंदरूनी प्रतिघात का सामना करना पड़ा था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी निम्नतम स्तर पर पहुंच गई। यह दीगर है कि वादे के तहत भाजपा ने नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाए रखना कबूल किया। लेकिन असहज स्थिति से उबरते हुए नौ अगस्त 2022 को नीतीश वापस पलटकर राजद के साथ हो लिए।

फिर नीतीश कुमार के जदयू के एनडीए में शामिल होने की आशंका जताई जा रही है, तब प्रदेश को विधानसभा भंग करने की बात सामने आई है। और यह बात नीतीश कुमार ने कायदे से राजद प्रमुख लालू प्रसाद के सामने रख दी है। बुजुर्ग लालू यादव को नीतीश कुमार की मदद से मौजूदा विधानसभा में ही पुत्र तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री होते देखने की चाहत थी। ऐसे में इसकी संभावना कम है कि राजद विधानसभा भंग करने के सुझाव को आसानी से मान जाए। विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी पर राजद के वरिष्ठ नेता अवध नारायण चौधरी हैं। लिहाजा यह काम प्रमुख सहयोगी दल राजद की सहमति के बिना नहीं हो सकता है।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार एक राष्ट्र, एक चुनाव पर गंभीर विमर्श में लगी है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति इस पर काम कर रही है। तर्क है कि किसी न किसी हिस्से में निरंतर जारी चुनावों से सरकार के खजाने पर बोझ बढ़ रहा है। ऐसे में नीतीश कुमार का विधानसभा भंग कर लोकसभा के साथ ही चुनाव कराने का सुझाव अपने पुराने साथी भाजपा के भावी एजेंडे की मदद कर रहा है।

इस साल केंद्रीय निर्वाचन आयोग के कैलेंडर में अप्रैल मई में होने वाले लोकसभा के बड़े चुनाव के साथ ही आठ राज्यों की विधानसभाओं का चुनाव कराना है। इनमें अप्रैल में कार्यकाल पूरा कर रहे आंध्र प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम विधानसभा शामिल है। इन चारों राज्यों का चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ ही कराने से आयोग के बजट को कुछ राहत मिल सकती है। जबकि सितंबर में जम्मू व कश्मीर,अक्टूबर में हरियाणा व महाराष्ट्र और नवंबर में झारखंड विधानसभा का चुनाव लंबित है।

ऐसे में दिसंबर 2025 में कार्यकाल पूरा कर रही बिहार विधानसभा को डेढ़ साल पहले मध्यावधि चुनाव में झोंकने के अपने नफा और नुकसान हैं। इससे सरकार की सहयोगी राजद का असहज स्थिति में फंसना स्वाभाविक है। जबकि जदयू के लिए यह राजनीतिक फैसला जीवनदायिनी साबित हो सकता है।

अयोध्या से निकला विश्व कल्याण का संदेश

अवधेश कुमार

अयोध्या इस समय श्री राम विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के साथ भारत में ऐसा केंद्र बन गया है, जिसकी तुलना विश्व में घटित किसी और घटना से नहीं की जा सकती। जो अयोध्या में रहकर प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व, उसके दौरान और बाद के परिदृश्यों को गहराई से देखेगा उसे ही यह बात समझ में आएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राण प्रतिष्ठा के बाद कहा कि यह सर्वकालिक उद्गम है। उन्होंने यहां से भारत के उत्कर्ष और उदय की बात की। आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने देशवासियों से अपने अंदर राम के चरित्र की विशेषताएं विकसित करने की अपील की। यानी हम सब एक दूसरे के लिए जिएं। एक-दूसरे के लिए सब कुछ दान करने, दूसरों की सेवा के लिए अपने को अर्पित करने का भाव पैदा करें। यही वह भाव है, जिससे भारत की यह सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और धार्मिक क्रांति विश्व की क्रांतियों के इतिहास में एक अनोखा अध्याय जोड़ रही है। प्राण प्रतिष्ठा की तारीख घोषित होने के बाद से अभी तक अयोध्या और पूरे देश की तस्वीर भारत की अंतर्निहित सामूहिक चेतना का प्रमाण दे रही है। स्त्री, पुरुष, किशोर, युवा, वयस्क,? बुजुर्ग सब कष्ट उठाकर अयोध्या पहुंच रहे हैं। आप अयोध्या के आसपास कई किलोमीटर तक जनसमूह को देख सकते हैं। किसी के चेहरे पर परेशानी या दुख का भाव नहीं है। किसी से पूछिए कि क्या सोच कर आए तो उत्तर एक ही होगा, हमारे प्रभु राम 500 वर्ष के बाद मंदिर में विराजे हैं, उन्हीं के दर्शन करने आया हूं। आधुनिक युग में सत्ता की व्याख्या अमूमन पश्चिम के नजरिए के अनुरूप राजनीतिक सत्ता के ही रूप में की जाती है। वहां की रिलीजन सत्ता (धर्म सत्ता नहीं) भी राजनीतिक सत्ता के समानांतर ही रही है। भारतीय संस्कृति और व्यवस्था में धर्मसत्ता को सर्वोच्च स्थान मिला। उसके बाद समाज सत्ता, फिर राजसत्ता और तब अर्थ सत्ता को रखा गया है। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा भारत में धर्मसत्ता की पुनर्स्थापना है। यह ऐसी सत्ता है, जिसमें कोई आदेश-निर्देश देने वाला तंत्र नहीं है। कोई आदेश-निर्देश का पालन न करे तो उसे प्रत्यक्ष सजा देने वाला भी कोई नहीं। हर व्यक्ति सबके प्रति करुणा, चर-अचर, जीव-अजीव के प्रति संवेदनशीलता से अपने दायित्व का निर्वहन करेगा। इसके लिए लिखित संविधान और कानून के पालन की बाध्यता नहीं। यह सामूहिक भाव तभी पैदा होता है, जब धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति गौरव का बोध हो। इस आत्मगौरव को नष्ट करने के लिए ही हमारे उन स्थलों को आक्रमणकारियों ने ध्वस्त किया, जो हमें धर्मसत्ता को सर्वस्व मानकर जीने, सबके अंदर स्वयं को ही देखने व धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने को प्रेरित करती थी। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कालचक्र को आधुनिक संदर्भ में फिर से उस स्थल पर ले जाने का संकेत है जिसके ध्वंस के साथ ही हमारे अंदर आत्महीनता पैदा करने की शुरुआत हुई थी। इस बदलाव को भारत की स्थायी वृत्ति बनाना होगा ताकि फिर ऐसी स्थिति न पैदा हो, जहां हमारे मान बिंदुओं को ध्वस्त कर भारत के आत्मविश्वास को खत्म किया जाए। प्रभु राम के चरित्र में दुश्मन के प्रति भी शत्रुता का भाव नहीं। रावण की मृत्यु के बाद राम विभीषण को उसका विधिपूर्वक श्राद्ध करने को कहते हैं, ताकि रावण की आत्मा को मुक्ति मिले। अयोध्या से निकला यह भारत सक्षम होने के साथ ही न केवल भारतीयों बल्कि संपूर्ण विश्व के कल्याण के लिए स्वयं को हर क्षण तत्पर रखने वाला भारत होगा। विरोधी अभी भी यही राग अलाप रहे हैं कि आरएसएस और भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव का ध्यान रखते हुए प्राण प्रतिष्ठा कराई। इसमें दो राय नहीं कि पूरा संघ परिवार अयोध्या में इस आयोजन में लगा था। ऐसे कार्यक्रम को इतने व्यवस्थित तरीके से पूरा करना असाधारण उपलब्धि है। लेकिन पूरी अयोध्या में आपको एक भी भाजपा कार्यकर्ता

जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न

अमित शर्मा

जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा ऐसे समय में की गई है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार में एक जनसभा को संबोधित करने के लिए जाने वाले हैं। उनकी इस चुनावी यात्रा से ठीक पहले जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा कर मोदी ने बिहार की लंबी समय से चली आ रही मांग को पूरा करने का काम किया है। इससे मोदी की यात्रा से पहले बिहार में चुनावी हवा को मजबूती देने में भी मदद मिलेगी। भाजपा नीतीश कुमार के साथ सत्ता में रहने पर भी कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने की मांग उठाती रही है। शायद यही कारण है कि

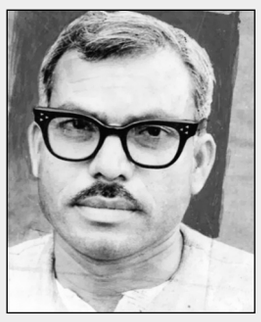

बिहार भाजपा के अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा के बाद यह बयान देने में देर नहीं किया कि यह सम्मान देने की घोषणा कर मोदी ने बिहार की भावनाओं का सम्मान किया है। इससे भाजपा की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने का काम किया गया है। सम्राट चौधरी ने अमर उजाला से कहा कि बिहार भाजपा की लंबे समय से यह मांग रही है कि पिछड़ों, अति पिछड़ाओं और दलितों की आवाज को मजबूती प्रदान करने वाले सामाजिक न्याय के नायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिया जाना चाहिए। उनकी सेवा के कारण ही आज पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित वर्ग समाज में सम्मान पाने के काबिल हुआ है। उन्होंने कहा कि कर्पूरी ठाकुर को सम्मान देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर पिछड़ों, अति पिछड़ों, दलितों और महादलितों को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता पर मुहर लगाई है। उन्होंने कहा कि इससे समाज के निचले तबकों को आगे लाने में जननायक द्वारा की गई भागीदारी को सम्मान मिलेगा। केंद्र के इस कदम से आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए मदद मिल सकती है। बिहार में 27 प्रतिशत पिछड़ा और 36 प्रतिशत अति पिछड़ा वर्ग की हिस्सेदारी है। कुल मिलाकर 63% की भागीदारी वाले समाज पर कर्पूरी ठाकुर का बहुत बड़ा प्रभाव है। यह वर्ग उन्हें अपने नायक के तौर पर देखता है। माना जाता है कि नरेंद्र मोदी ने इसी वर्ग को साधने के लिए कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की है।

मायावती की मजबूरी के बीच अप्रासंगिक हो रही पार्टी

अजय बोस

बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) सुप्रीमो मायावती ने हाल ही में आगामी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा की है। वह इसकी वजह बेशक यह बता रही हैं कि चुनाव पूर्व गठबंधन उनकी पार्टी की संभावनाओं को कमजोर करेगा और सहयोगियों को फायदा पहुंचाएगा, लेकिन यह बात गले नहीं उतरती और उनकी मजबूरी को ही दर्शाती है।

दरअसल, कभी बसपा के गढ़ माने जाने वाले उत्तर प्रदेश में न तो सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और न ही विपक्षी दलों का समूह 'इंडिया' गठबंधन अप्रत्याशित व्यवहार करने वाली बहनजी के साथ गठजोड़ करने के लिए तैयार है; जिनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा राज्य में उनकी घटती लोकप्रियता से तालमेल नहीं बैठा पा रही है। कुछ दूसरे राज्यों में भी यही कहानी है, जहां बसपा की मौजूदगी तो है, लेकिन उसका प्रभाव तेजी से क्षीण हो रहा है। फिर भी, संभावित सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे के लिए कड़ी सौदेबाजी जारी है।

भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने, जो इस वक्त लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पूरी तरह से मजबूत स्थिति में दिख रहा है, बसपा के साथ गठबंधन करने में कोई रुचि नहीं दिखाई है। इसके बजाय, पिछले संसदीय और विधानसभा चुनावों की तरह सत्तारूढ़ दल की रणनीति तो यही है कि ज्यादा से ज्यादा दलित और मुस्लिम वोटों को अपने पक्ष में करने और विपक्ष के एकीकरण की कोशिशों को कमजोर करने में कैसे बसपा का उपयोग किया जाए।

'फूट डालो और राज करो' वाली यह रणनीति हाल के समय में काफी प्रभावी रही है, लेकिन अब दलित व मुस्लिम समुदायों में यह

बात तेजी से फैल रही है कि बसपा को वोट देने से अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा को फायदा हो सकता है, और यही वजह है कि अब यह रणनीति अपनी शक्ति खो रही है। दरअसल मायावती के समर्थकों के छिटकने की एक मुख्य वजह यह रही है कि अब उन्हें लगने लगा है कि वह शोषित वर्ग की नेता नहीं, बल्कि स्वेच्छा से या मजबूरी में, उत्तर प्रदेश में भाजपा की वोट मशीन की मददगार बन गई हैं। जहां तक 'इंडिया' गठबंधन का सवाल है, कांग्रेस नेतृत्व शुरू से ही बहन जी को उन सभी पार्टियों के संयुक्त मोर्चे में शामिल करना चाहता था, जो भाजपा के खेमे में नहीं थीं।

हालांकि समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने इसका कड़ा विरोध किया था। उन्होंने दरअसल मायावती को लेकर तब से ही कड़ा रुख अपनाया हुआ है, जब 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत के तुरंत बाद मायावती ने सपा के साथ बनाए गए अपने राजनीतिक गठबंधन को एकाएक तोड़ दिया था। मायावती द्वारा उठाया गया यह कदम उन्हें तब और भी व्यथित करता है, जब सपा के साथ उनके गठबंधन की वजह से 2014 की तुलना में 2019 में बसपा की सीटें शून्य से दस पर पहुंच गईं, जबकि सपा की सीटें आधी होकर पांच ही रह गईं।

अगर कांग्रेस ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हाल के विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया होता, तो वह अखिलेश को मनाने की स्थिति में होती कि वह मायावती को गठबंधन में शामिल करने पर पुनर्विचार करें। लेकिन राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा से हार के बाद कांग्रेस की सौदेबाजी की ताकत कम हो गई है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश में कांग्रेस द्वारा सपा के साथ गठबंधन करने से इन्कार करने से अखिलेश पहले से ही नाराज थे। ऐसे में, स्वाभाविक ही, उन्होंने बसपा के मामले में भी अपने हाथ खींच लिए। हालांकि बसपा के बड़ी संख्या में मुस्लिम सांसदों का बहन जी पर दबाव था कि वह 'इंडिया' के साथ मिलकर चुनाव लड़ें, लेकिन बहन जी की अपनी मजबूरी थी।

पहली नजर में यही लगता है कि विपक्षी गठबंधन में बसपा की अनुपस्थिति उत्तर प्रदेश में उसकी संभावनाओं को क्षीण करेगी। दूसरी तरफ, ज्यादातर मुस्लिम समर्थकों और खुद मायावती की उपजाति जाटव सहित दलितों में उन्हें लेकर जिस तरह मोहभंग की प्रवृत्ति दिख रही है, उससे यही लगता है कि उत्तर प्रदेश में बसपा कोई बड़ी राजनीतिक शक्ति नहीं रह गई है। अगर बहन जी को विपक्षी गठबंधन में कई दलों के बीच सीटों के बंटवारे की चुनौती में उलझाया जाता, तो यह नामुमकिन नहीं, तो बेहद कठिन चुनौती जरूर होती।

हालांकि मायावती का यह दावा भी ठीक नहीं है कि उनकी पार्टी गठबंधन के बजाय अकेले ज्यादा बेहतर चुनाव लड़ती है। अगर पिछले संसदीय चुनावों पर नजर डालें, तो कहानी स्पष्ट होती है, जिसमें बसपा ने सपा के साथ गठबंधन में उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में 19.4 फीसदी वोट शेयर के साथ 10 सीटें हासिल की थीं, हालांकि उन्होंने कुल सीटों की आधी से भी कम पर चुनाव लड़ा था। तीन साल बाद 2022 में राज्य विधानसभा चुनाव में सभी 403 सीटों पर लड़ते हुए उनकी पार्टी को केवल एक सीट मिली और उसका वोट शेयर गिरकर 13 फीसदी पर पहुंच गया।

इसमें कतई संदेह नहीं कि उत्तर प्रदेश में पिछले विधानसभा चुनाव में मिली प्रचंड हार के बाद मायावती और बसपा का राजनीतिक कद काफी घट गया है। दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी है, जिसने राष्ट्रीय लोकदल के साथ मिलकर चुनाव लड़ा और भाजपा की लहर के बावजूद 111 सीटें और 32 फीसदी वोट के साथ एक विश्वसनीय टक्कर जरूर दी। विधानसभा चुनाव के नतीजे ने देश की सबसे ज्यादा आबादी वाले और राजनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण राज्य में भाजपा खेमे के बाहर विपक्षी राजनीतिक दलों के साथ सौदेबाजी की स्थिति में बहन जी की स्थिति अखिलेश की तुलना में जाहिर है कि कमजोर की है। ऐसे में, मायावती को 'इंडिया' गठबंधन से बाहर रखने में अखिलेश की निर्णायक भूमिका रही हो, तो इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए। अब इन स्थितियों को अपने पक्ष में दिखाते हुए इसे उपलब्धि की तरह पेश करना मायावती की मजबूरी थी। कुछ भी हो, उत्तर प्रदेश में विपक्षी दलों के गठबंधन के सामने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रूप में डबल इंजन स्टीम रोलर की जो दुर्जेय चुनौती है, वह बसपा के ऐतिहासिक अतीत के बावजूद राजनीतिक फलक पर तेजी से अप्रासंगिक होती मायावती के किसी भी तरह के फैसले से कम होने वाली नहीं।

किस कालचक्र परिवर्तन की बात नरेंद्र मोदी ने कही है?

संजय तिवारी

सोमवार को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री मोदी जब बोलने के लिए लोगों के सामने आये तो उन्होंने एक ऐसी बात कही जो रहस्यमय थी। उन्होने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के लिए 11 दिन के अपने व्रत के दौरान रामेश्वरम भी गये थे। वहां समुद्र में स्नान करते समय उन्हें अनभूति हुई कि राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही कालचक्र बदल गया है। अब अगले हजार साल भारत के हैं। यह एक ऐसा बयान है जिसका कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं हो सकता। नेता का दिमाग 5 साल के अनुसार चलता है। उसका समूचा चिंतन एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक सीमित रहता है। अब मोदी हजार साल तो पीएम रहनेवाले नहीं हैं। फिर यह बात भी अयोध्या के रामलला मंदिर से उन्होने क्यों बोली होगी?

मोदी ने जिस कालचक्र का उल्लेख किया है, वह सनातन धर्म की कालगणना का सिद्धांत है। इसके अनुसार समय सीधी रेखा में नहीं बल्कि गोलाकार या चक्राकार चलता है। सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलियुग का समयचक्र पुनः पुनः आता जाता रहता है। यानी एक बार यह चतुर्युग पूरा हुआ तो पुनः सतयुग से कालचक्र की शुरुआत होती है। इस कालचक्र के अनुसार अभी हम वर्तमान के जिस कलियुग में हैं उसके 5125 वां वर्ष बीत रहा है। कलियुग के कुल 4 लाख 32 हजार वर्ष निर्धारित हैं जिसमें से अगर 5125 को घटा दें तो 4 लाख 26 हजार 875 वर्ष बचे हैं। फिर ये हजार साल की जो अनुभूति रामेश्वरम में मोदी को हुई उसका क्या रहस्य है?

भारत में आध्यात्मिक अनुभूतियां मात्र एक संकेत की तरह होती हैं। कोई भी साधक, सिद्ध, योगी, महात्मा अपनी तपस्या के दौरान जो अनुभूति प्राप्त करता है वह मात्र एक संकेत होता है। आध्यात्मिक जगत के ऐसे ही सिद्ध साधक इस बात का संकेत कर रहे हैं कि इस कलियुग में सतयुग के छोटे से हिस्से का प्रवेश हो रहा है। इसलिए प्राकृतिक शक्तियां भारत की धरती पर धर्म की स्थापना के लिए बहुत बड़े उलटफेर कर रही है। आधात्मिक जगत के लोग संकेत करते हैं कि 2014 में मोदी का प्रधानमंत्री बनना भी उसी प्राकृतिक परिवर्तन का एक हिस्सा था।

हालांकि प्राकृतिक परिवर्तन अचानक नहीं हुआ करते। वह एक निरंतरता में चलते रहते हैं। जैसे सतयुग कोई एक रात में नहीं बीत गया कि अगली सुबह त्रेता युग आ गया। प्रकृति नित्य है इसलिए वह परिवर्तन से मुक्त कभी होती ही नहीं है। इसकी निरंतरता कम से कम 2,000 साल पुरानी है। और पीछे जाएं तो पांच हजार साल पुरानी जब द्वापर युग का अंत हो रहा था और भारत ने महाभारत देखा था। महाभारत के साथ ही द्वापर युग का अंत और कलियुग का प्रवेश हो गया। इस कलियुग में घटनाओं की एक निरंतरता है। भारतीय जीवन दर्शन के अनुसार कलियुग में तामसी या उग्र शक्तियां अधिक प्रभावी होती हैं और धर्म क्षीण हो जाता है। मानवता विभिन्न प्रकार के स्वार्थी और हिंसक समूहों द्वारा पीड़ित होती है और पूरी प्रकृति का ह्रास होता है। बीते कुछ दशकों से भारत में जिस आर्थिक व्यवस्था को विकास बताकर प्रचारित किया जा रहा है असल में भारतीय काल गणना के अनुसार यह मनुष्य का भौतिक विकास तो हो सकता है लेकिन उसकी चेतना का ह्रास हो रहा है। उसमें क्रोध और उग्रता बढ़ रही है। उसकी सहनशीलता नष्ट हो

रही है और उसका समस्त चराचर जगत के प्रति जो संवेदनशील मानवीय दृष्टिकोण होना चाहिए उसका लोप हो रहा है। मनुष्य की तर्कबुद्धि का बहुत ज्यादा विकास हो रहा है जबकि उसकी भावनात्मक शक्ति खत्म हो रही है।

मनुष्य ही नहीं समस्त जीव चेतना के स्तर पर बुद्धि से नहीं बल्कि भावजगत पर ही जुड़े हुए हैं। जीव जगत में हम भले ही एक दूसरे की भाषा न समझते हों लेकिन प्रेम, दया, करुणा, ममता ये मनोभाव हर जीव समझता है। दुर्भाग्य से मनुष्य की तर्कबुद्धि के विकास ने इस भावजगत को ही सबसे अधिक चोटिल किया है। भारतीय कालगणना के अनुसार जिस सतयुग का सिद्धांत दिया गया है वह इसी भावजगत का प्रकटीकरण है जहां हर जीव एक दूसरे से प्रेम और करुणा के इसी धरातल पर जुड़ा हुआ है। तो क्या माना जाए कि त्रेतायुग के राम जब अपने धाम में लौटे हैं तो वह जीवनदर्शन भी लौटेगा जिसमें आसुरी शक्तियां कमजोर पड़ेगी और मानवता जागृत होगी? मोदी को क्या अनुभूति हुई और वो उस अनुभूति को किस रूप में समझते हैं, यह तो वो ही जाने। लेकिन कलियुग में सतुयग का प्रवेश बिना त्रेता युग से गुजरे संभव नहीं है। इस अनुसार भारत की समकालीन परिस्थितियों को देखें तो राजनीति और समाज में सक्रिय आसुरी शक्तियां कमजोर पड़ती हुई तो दिखाई दे रही हैं। लेकिन अभी तक उन्होंने भी अपने हथियार नहीं रखे हैं इसलिए हर हार के बाद वो नयी जीत के लिए नयी रणनीति बनाने में जुट जाते हैं। अयोध्या में रामलला के मंदिर पर भारत से लेकर पाकिस्तान तक अगर आसुरी शक्तियां बेचैन हैं तो उनकी बेचैनी और पीड़ा अनायास नहीं है।

नारायण ने राम के रूप में अवतार क्यों लिया? क्योंकि उस समय आसुरी शक्तियां राक्षस के रूप में मानवीय चेतना को पीड़ित कर रही थीं। तो क्या ऋषि, मुनि उन राक्षसी शक्तियों को परेशान कर रहे थे जो वह उनका यज्ञ भंग करने पहुंच जाते थे? नहीं, वो ऐसा कुछ नहीं करते थे। लेकिन सात्विक शक्तियां जब भी प्रभावी होने लगती हैं तो आसुरी शक्तियों को अपने आप खतरा महसूस होने लगता है। भले ही सात्विक व्यक्ति अपने घर में चुपचाप शांति से रह रहा हो लेकिन आसुरी शक्तियों को यह शांति ही शोर से ज्यादा पीड़ित करती है। इसलिए वो उस शांति को नष्ट करने के लिए व्यग्र हो जाती हैं।

हम जिस समय में जी रहे हैं उसकी आसुरी शक्तियां न तो तलवार लेकर निकलती हैं और न ही वो त्रेता युग की तरह कहीं सूदूर बैठे हैं। वर्तमान समय की आसुरी शक्तियां भी विचार की लड़ाई लड़ रही हैं और हमारे आसपास ही हैं। उनके पास मायावी शक्तियां हैं और धनबल भी है। जैसे सात्विक मनुष्य सात्विकता के लिए उपाय करता है वैसे ही तामसी मनुष्य तामसिकता को बढाने के लिए प्रयास करता है। इसलिए उनकी ओर से भी लड़ाई को जारी रखने तथा अंततः जीत लेने के प्रयास में कोई कमी नहीं दिख रही है।

लेकिन शास्त्र तो पहले ही घोषणा कर चुके हैं। यतोधर्मस्ततो जयः। अर्थात जीत उसी की होगी जहां धर्म होगा। अगर मोदी का इस प्रकार के कालचक्र परिवर्तन की ओर है तो निश्चित ही इसका लोकमानस द्वारा स्वागत किया जाएगा। आखिरकार प्रकृति की दैवीय चेतना क्या है? वह भी लोकमानस की सामूहिक चेतना (कलेक्टिव कॉन्शियसनेस) ही है जो अतीत में अवतार पुरुष के रूप में सामने आती रही है। लेकिन कलियुग में किसी अवतार की संभावना नहीं है। कलियुग के कालचक्र परिवर्तन की लड़ाई सामूहिकता में ही लड़ी जाएगी जिसके संकेत बीते कुछ दशकों से दिखाई दे रहे हैं। अच्छा संकेत यह भी है कि यह सामूहिक चेतना कमजोर होने की बजाय निरंतर प्रबल हो रही है जिससे उम्मीद करनी चाहिए कि अतीत के अतिक्रमण को भविष्य के प्रतिक्रमण से अवश्य समायोजित किया जाएगा। अयोध्या हो या कश्मीर, यह प्रतिक्रमण स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। संभव है इसी प्रतिक्रमण को मोदी ने कालचक्र परिवर्तन के रूप में अनुभव किया हो।

कॉम्बिनेशन स्किन के लिए घर पर ही बनाएं ये फेस सीरम

कॉम्बिनेशन स्किन के लिए एक सही सीरम ढूंढना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। ऐसे में अगर आप चाहें तो घर पर ही अपनी स्किन के लिए फेस सीरम बना सकते हैं। इस तरह आपके पैसे भी बच जाएंगे और स्किन को कोई नुकसान भी नहीं होगा।

स्किन को अतिरिक्त पोषण देने के लिए हम सभी सीरम का इस्तेमाल करते हैं। यूं तो मार्केट में अलग-अलग ब्रांड्स के कई फेस सीरम मिलते हैं, जिन्हें आप अपनी स्किन टाइप के अनुसार चुन सकते हैं। लेकिन ये काफी महंगे होते हैं। इतना ही नहीं, कॉम्बिनेशन स्किन के लिए एक सही सीरम ढूंढना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। ऐसे में अगर आप चाहें तो घर पर ही अपनी स्किन के लिए फेस सीरम बना सकते हैं। इस तरह आपके पैसे भी बच जाएंगे और स्किन को कोई नुकसान भी नहीं होगा।

खीरा और विच हेज़ल से बनाएं सीरम

अगर आपकी कॉम्बिनेशन स्किन है तो ऐसे में खीरे और विच हेज़ल की मदद से सीरम बनाना अच्छा विचार हो सकता है।

आवश्यक सामग्री-

- एक खीरा छीलकर ब्लेंड किया हुआ
- 2 चम्मच विच हेज़ल
- 2 चम्मच एलोवेरा जेल

सीरम बनाने का तरीका-

- सीरम बनाने के लिए खीरे को तब तक ब्लेंड करें जब तक यह एक चिकना पेस्ट न बन जाए।
- अब इसमें विच हेज़ल और एलोवेरा जेल मिलाएं।
- तैयार मिश्रण को एक गहरे रंग की कांच की ड्रॉपर बोतल में डालें।
- अब अपने चेहरे और गर्दन पर इसकी कुछ बूंदें लगाएं।

गुलाब जल और एलोवेरा जेल से बनाएं सीरम

यह एक बेहद ही हाइड्रेटिंग सीरम है, जो आपके लिए काफी अच्छा रहेगा। अगर आपकी स्किन कॉम्बिनेशन होने के साथ-साथ सेंसेटिव भी है तो आप इस सीरम को अप्लाई कर सकते हैं।

आवश्यक सामग्री

- 2 बड़े चम्मच गुलाब जल
- 1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल
- 1 बड़ा चम्मच वेजिटेबल ग्लिसरीन
- लैवेंडर एसेंशियल ऑयल की 2-3 बूंदें

सीरम इस्तेमाल करने का तरीका-

- सबसे पहले एक बाउल में सभी सामग्री डाल लें।
- अब एक गहरे रंग की कांच की ड्रॉपर बोतल लें और उसमें तैयार सीरम डालें।
- इसे हर इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह हिलाएं।
- अपनी स्किन को क्लीन करने के बाद और मॉइस्चराइजिंग से पहले अपने चेहरे और गर्दन पर कुछ बूंदें लगाएं।

किसी चुनौती से कम नहीं है क्रायो थेरेपी

हॉलीवुड की ज्यादातर अभिनेत्रियां जवां बने रहने तथा स्किन को बेदाग रखने के लिए क्रायोथेरेपी का उपयोग करती हैं। हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्रायोथेरिपी से कैसे होता है और इसको करने के क्या फायदे होते हैं।

अगर आप भी मांसपेशियों की समस्या से जूझ रहे हैं, तो ऐसे में आपको डॉक्टर से क्रायोथेरेपी के बारे में बात करना चाहिए। बता दें कि इस थेरेपी का इस्तेमाल शरीर की मांसपेशियों के खिंचने और ऊतकों के कमजोर होने पर किया जाता है। इस थेरेपी में व्यक्ति को काफी कम तापमान में रखा जाता है। इसको आइस पैक थेरेपी या क्रायो सर्जरी के नाम से भी जानते हैं।

क्रायोथेरपी के जरिए मसे, तिल, सनबर्न जैसी स्किन की समस्याओं का भी इलाज किया जाता है। हॉलीवुड की ज्यादातर अभिनेत्रियां जवां बने रहने तथा स्किन को बेदाग रखने के लिए क्रायोथेरेपी का उपयोग करती हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्रायोथेरिपी से कैसे होता है और इसको करने के क्या फायदे होते हैं।

क्रायोथेरेपी

बता दें कि इस थेरेपी में शरीर को एकदम से ठंडा किया जाता है। जिससे शरीर की सारी गर्मी और जलन निकल जाए। इस थेरेपी से खून की नसें सिकुड़ने के बाद धीरे-धीरे फैलने लगती हैं। इस थेरेपी को आप ठीक उसी तरह समझ सकते हैं, जैसे शरीर के किसी हिस्से पर चोट लग जाने से बर्फ से सिकाई की जाती है। क्रायोथेरेपी करने के लिए एक ठंडे चैंबर में सिर के हिस्से को छोड़कर बाकी पूरे शरीर को रखा जाता है।

स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज है जरूरी

इस दौरान चेंबर का तापमान माइनस 150 डिग्री सेल्सियस होता है। क्रायोथेरेपी में चेंबर को ठंडा करने के लिए नाइट्रोजन का सहारा लिया जाता है।

वहीं केवल एक अंडरवियर और अच्छी गुणवत्ता वाल मोजे पहनकर चेंबर में जाना होता है। इस थेरेपी को पूरा करने के लिए 30 सेकेंड से लेकर 3 मिनट तक चेंबर में रहना होता है। फिर इसके पूरा होने के बाद आपको स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करनी होती है। जिससे कि संचार वाहिकाओं में सुचारु रूप से रक्त चलने लगे।

क्रायोथेरेपी करते समय सावधानियां

हांलाकि भले ही यह थेरेपी सुनने में आपको आसान लग रही हो, लेकिन बता दें कि इसको करने से पहले कुछ सावधानियों का ध्यान रखना जरूरी होता है।

- इस थेरेपी को करने से पहले आपको तरल पदार्थ से दूर रहने की सलाह दी जाती है।
- क्योंकि तरल पदार्थ के त्वचा पर जमने से ठंड से जलने की आशंका रहती है।
- क्रायोथेरेपी को करने से पहले शरीर को अच्छे से सुखा लेना चाहिए।
- दिल से जुड़ी बीमारी, अस्थमा, हाई या लो ब्लड प्रेशर, बुखार या जख्म आदि होने पर क्रायोथेरेपी नहीं लेनी चाहिए।
- प्रेग्नेंट महिलाओं को इस थेरेपी से दूर रहना चाहिए।
- हाइपोथर्मिया या कंपकपाहट होने पर फौरन इस थेरेपी को बंद कर देना चाहिए।

त्वचा रहे जवां हॉट चॉकलेट मसाज से

हॉट चॉकलेट मसाज को नियमित रूप से करवाने वाले बता सकते हैं कि इसकी मसाज के अनगिनत फायदे हैं जो आपको न केवल तरोताजा करता है बल्कि त्वचा जवां बनाए रखने में भी मददगार है। विदेशों की तर्ज पर अब भारत में भी इसका चलन बढ़ रहा है, खासकर त्वचा और फिटनेस को लेकर सजग युवाओं में। दरअसल, चेहरे के लिए अनगिनत मास्क, पैक इस्तेमाल किये जाते हैं लेकिन हम भूल जाते हैं कि बाकी शरीर की त्वचा की देखभाल भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसीलिए आज तरह-तरह की मसाज देने वाले अनगिनत स्पा और सैलून मौजूद हैं। समझना होगा कि बॉडी मसाज त्वचा के साथ-साथ मांसपेशियों और मस्तिष्क तक पर सकारात्मक असर डालता है। इसी कड़ी में हॉट चॉकलेट मसाज का ट्रेंड बेहद गुणकारी है। लेकिन ध्यान रहे कि मसाज वाले हॉट चॉकलेट का मैटीरियल खाने योग्य नहीं होता। हफ्ते- दो हफ्ते में एक बार हॉट चॉकलेट मसाज करवाएं और तरोताजा रहें। जानिये हॉट चॉकलेट मसाज फायदे।

नेचुरल ऑयल्स

हॉट चॉकलेट में नेचुरल ऑयल्स मौजूद होते हैं जो त्वचा को गहराई तक मॉयश्चराइज और तरोताजा करता है। खासतौर पर सर्दियों में त्वचा रूखी होती रहती है तो त्वचा को मॉयश्चराइज करते रहने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में हॉट चॉकलेट मसाज बेहतरीन विकल्प है।

झुर्रियां कम करने में मददगार

चॉकलेट में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट होता है जो त्वचा को निखारता है और झुर्रियां कम करने में भी मदद करता है। ऐसे में हॉट चॉकलेट मसाज नियमित किया जाये तो त्वचा जवान रहेगी।

तनाव को रखता है दूर

हॉट चॉकलेट मसाज की गर्म सौंधी महक में तकरीबन डेढ़ से 2 घंटे का रिलैक्सेशन, और इससे सामान्य होता रक्त संचार आपकी हफ्ते भर की थकान दूर करने की ताकत रखता है और मानसिक तनाव में भी फायदेमंद होता है। भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में यह मसाज बहुत गुणकारी है।

मांसपेशियां होती हैं रिफ्रेश

हालांकि यह बात लगभग सभी तरह के मसाज पर लागू होती है, लेकिन हॉट चॉकलेट मसाज में त्वचा के साथ-साथ मांसपेशियों को तनावमुक्त करने का खास गुण है। इस मसाज के बाद आप अधिक एक्टिव रहेंगे।

अन्दर तक सफाई

हॉट चॉकलेट मसाज की प्रक्रिया में चॉकलेट मसाज के सॉलिड मैटेरियल को पीसकर गर्म करके पिघलाकर त्वचा पर अप्लाई किया जाता है, फिर मसाज हो जाने के बाद हटाया जाता है, इस प्रक्रिया में बहुत सारी डेड स्किन निकलती है और त्वचा अन्दर तक साफ होती है।

रक्त संचार

हॉट चॉकलेट मसाज की प्रक्रिया से रक्त संचार भी सामान्य करने में मदद मिलती है जिससे कई बीमारियों का जोखिम कम होता है।

युवाओं के लिए खास लाभ

डॉक्टर गौरव जैन, सीनियर कंसल्टेंट इंटरनल मेडिसिन, धर्मशिला नारायणा सुपरस्पेशेलिटी अस्पताल, नई दिल्ली के अनुसार- शहरी जीवनशैली को देखते हुए खासतौर पर युवाओं को इस ओर रुख करना चाहिए। शारीरिक और मानसिक थकान बेहद होती है और जिसे दूर करने के लिए हर कोई अलग-अलग उपाय अपनाता है। इसमें कई बार बिना प्रिस्क्रिप्शन की दवाएं लेने के साथ-साथ नशे की लत तक शामिल है। अच्छा है कि विकल्प के रूप में हॉट चॉकलेट मसाज से थकान के साथ-साथ तनाव दूर किया जाये।

इन बातों का रहे विशेष ध्यान

पहली बात, मसाज किसी अच्छे सैलून या पार्लर के किसी पेशेवर से ही करवाएं, क्योंकि मसाज के त्वचा व मांसपेशियों को होने वाले फायदे मसाज करने के तरीके पर भी निर्भर करते हैं। इसलिए मसाज खुद घर पर अप्लाई करने के बजाय पेशेवर के हाथों से करवाएं। यह भी कि अकसर बहुत टाइट हाथ से मसाज की जाती है लेकिन इससे त्वचा पर झुर्रियां पड़ने का जोखिम होता है, साथ ही मांसपेशियों को नुकसान पहुंचता है। इसलिए हल्के हाथों से मसाज करवाएं। क्योंकि हॉट चॉकलेट मसाज से त्वचा मॉइश्चराइज होती है और मांसपेशियों को भी आराम मिलता है, ऐसे में शरीर को तुरंत धूप या हवा में न लाएं, न ही तुरंत सामान्य दिनचर्या में लग जाएं बल्कि आराम करें। जरूरी है हॉट चॉकलेट के रूप में अप्लाई होने वाले मैटेरियल की अच्छी तरह जांच कर लें। क्योंकि बाजार में परोसा जाने वाला नकली मैटेरियल त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। मसाज लेने से पहले त्वचा की स्वच्छता अच्छी तरह सुनिश्चित कर लें। किसी अच्छे स्क्रब से त्वचा को साफ करके मसाज के लिए तैयार हों।

हॉट चॉकलेट मसाज में इस्तेमाल होने वाला मैटेरियल खाने योग्य नहीं होता है, इसमें चॉकलेट मड के साथ एसेंशियल ऑयल्स मिक्स होते हैं। इसी प्रकार खाई जाने वाली चॉकलेट को भी मसाज के लिए त्वचा पर एप्लाई न करें।

पिंपल्स की समस्या को दूर करने के लिए अपनाएं ये टिप्स, कुछ ही दिनों में दिखेगा असर

हर महिला की चाहत होती है, उसकी त्वचा कोमल और बेदाग नजर आए। लेकिन अनहेल्दी लाइफस्टाइल, प्रदूषण और जंक फूड आदि का भी हमारी स्किन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। हम आपको बताने जा रहे हैं कि मुंहासे के लालपन और सूजन को कम करने में बर्फ की सिकाई कितनी कारगर है।

हर महिला की चाहत होती है, उसकी त्वचा कोमल और बेदाग नजर आए। लेकिन अनहेल्दी लाइफस्टाइल, प्रदूषण और जंक फूड आदि का भी हमारी स्किन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। ऐसे में चेहरे पर मुंहासे आदि हो जाते हैं। मुंहासे होने पर इसके दाग हमारी त्वचा पर रह जाने से खूबसूरती प्रभावित होती है। ऐसे में मुंहासों को बर्फ की सिकाई से ठीक किया जा सकता है। लेकिन यह नुस्खा कितना ज्यादा फायदेमंद है। ऐसा कई महिलाएं करती हैं।

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मुंहासे के लालपन और सूजन को कम करने में बर्फ की सिकाई कितनी कारगर है। स्किन एक्सपर्ट्स की मानें तो बर्फ की सिकाई से लालपन और सूजन को काफी हद तक कम किया जा सकता है। लेकिन स्किन एक्सपर्ट्स बर्फ की जगह कोल्ड कंप्रेसर से मुंहासे की सिकाई करने की सलाह देते हैं। बर्फ की सिकाई से कई बार सेंसिटिव स्किन वाली महिलाओं की त्वचा डैमेज हो सकती है। साथ ही यह पील ऑफ होना भी शुरू हो सकती है।

अगर आपकी स्किन ऑयली या ड्राई है, तो आपको मुंहासो की समस्या हो सकती है। ऐसे में आप बर्फ का इस्तेमाल कर सकती हैं। ड्राई स्किन वालों को साधारण पानी से बनी बर्फ की जगह उन आइस क्यूब्स का इस्तेमाल करना चाहिए। जो मुंहासे की सूजन को कम करने के साथ ही स्किन को ड्राई नहीं होने दे। आइस क्यूब्स बनाने के लिए पानी में दालचीनी का पाउडर अच्छे से मिक्स कर लें और फिर इसे आइस ट्रे में जमा लें। आइस क्यूब बनने के बाद आप मुंहासों पर इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

इसके अलावा आप एलोवेरा जेल को भी जमाकर इसके इस्तेमाल अपने चेहरे पर निकले मुंहासों पर कर सकती हैं। इस उपाय को करने से मुंहासे की समस्या से निजात मिलेगी और मुंहासे का लालपन भी खत्म हो जाएगा। बता दें कि एलोवेरा जेल एंटीबैक?टीरियल गुण पाए जाते हैं। आप चाय के पानी को उबालकर भी आइस क्यूब्स बना सकती हैं। यह मुंहासों की सूजन को कम करने का अच्छा ऑप्शन है।

हांलाकि वैसे तो आप कभी भी कोल्ड कंप्रेसर या फिर बर्फ का इस्तेमाल मुंहासे पर कर सकती हैं। लेकिन मेकअप करने से पहले आपको 2 से 3 बार चेहरे पर बर्फ का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से मुंहासे की सूजन और लालपन कम होगा और मेकअप अच्छा होगा। इसलिए मेकअप करने से पहले 2-3 बार चेहरे की सिकाई करें फिर 15 मिनट रुकने के बाद मेकअप शुरू करें।

इन बातों का रखें खास ख्याल

स्किन पर बर्फ रगड़ने से घाव भी हो सकता है। साथ ही मुंहासे भी छिल सकते हैं।

डायरेक्ट बर्फ को चेहरे पर लगाने की बजाय आप आप रुमाल में बर्फ को बांध कर उसकी सिकाई कर सकती हैं।

5 मिनट से ज्यादा मुंहासे की बर्फ से सिकाई नहीं करनी चाहिए।

अगर मुंहासे से पस निकलता है, तो बर्फ से सिकाई करने की जगह फेशियल स्टीम करें।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के अभियान की थीम जारी

नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने कमर कस ली है। गुरुवार को ही पार्टी ने चुनाव के लिए अपने अभियान के लिए थीम जारी की। इसकी शुरुआत में कहा गया- सपने नहीं हकीकत बुनते हैं, तभी तो सब मोदी को चुनते हैं। भाजपा ने इसकी लॉन्चिंग का एलान करते हुए कहा कि यह थीम उसे लोगों के बीच से ही मिली है और भाजपा ने जनता की इस भावना को अपनाया है। भाजपा ने कहा कि यह थीम पीएम मोदी की गारंटी जनअभियान के अनुरुप है। पीएम मोदी के नवमतदाता सम्मेलन के दौरान इससे जुड़ा वीडियो भी जारी किया गया है, जिसमें करोड़ों लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को दर्शाया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अभियान गीत ओवर एक्स का एक वीडियो साझा करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक दशक के प्रयासों को चिह्नित करने वाला एक सुंदर संगीत वीडियो, जो उनके नेतृत्व, कार्यशैली और निरंतर प्रयासों का बहुत प्रेरणादायक तरीके से प्रस्तुत करता है।

भाजपा ने झारखंड के लिए प्रभारी, संयोजक नियुक्ति किए

नईदिल्ली। आम चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई ने राज्य के सभी 14 लोकसभा क्षेत्रों के लिए प्रभारियों, संयोजकों और सह-संयोजकों की नियुक्ति की है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पार्टी ने सभी 14 लोकसभा सीटों पर जीत सुनिश्चित करने के लिए, चार से 11 फरवरी तक 'गांव चलो' अभियान शुरू करने का भी फैसला किया है। बुधवार को अभियान पर एक कार्यशाला के दौरान झारखंड भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कार्यकर्ताओं से हर गांव में जाने और ग्रामीणों को एक मजबूत, आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने के लिए आमंत्रित करने को कहा। उन्होंने कहा, ''हम एक नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे और झारखंड की सभी 14 लोकसभा सीटें जीतेंगे।'' भाजपा के संगठन महासचिव कर्मवीर सिंह ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता 'गांव चलो' अभियान के दौरान झारखंड के सभी 32,000 गांवों का दौरा करेंगे।

लालू यादव की बेटी का सीएम नीतीश कुमार पर हमला

पटना। सीएम नीतीश कुमार ने बुधवार को परिवारवाद पर प्रहार किया था, उसपर राजद की ओर से प्रतिक्रिया नहीं आयी। भाजपा ने नरम प्रतिक्रिया जताई कि अगर परिवारवाद से दिक्कत है तो ऐसे लोगों के साथ क्यों हैं? अब असल हमला लालू यादव को किडनी दान करने के लिए चर्चित रहीं उनकी एनआरआई बेटी रोहिणी आचार्या ने किया है। रोहिणी ने गुरुवार सुबह सबसे पहले लिखा- अक्सर कुछ लोग नहीं देख पाते हैं अपनी कमियां, लेकिन किसी दूसरे पे कीचड़ उछालने को करते हैं बदतमीजियां... इस वाक्यांश में कहीं भी नीतीश कुमार का नाम नहीं है, लेकिन मूलत: हमला सीएम पर ही किया गया। और स्पष्टता के लिए रोहिणी ने कुछ ही देर बाद अगली लाइन लिखी- खीज जताए क्या होगा, जब हुआ न कोई अपना योग्य। विधि का विधान कौन टाले, जब खुद की नीयत में ही हो खोट। रोहिणी की इन पंक्तियों ने साफ कर दिया कि उनका हमला नीतीश कुमार पर ही है।

रामराज्य से प्रेरणा लेकर सबके लिए किया काम : केजरीवाल

नईदिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर गर्व व्यक्त करते हुए भगवान श्री राम के जीवन से त्याग और समानता की शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने राष्ट्र के लिए खुशी के अवसर पर प्रकाश डाला और समाज में मौजूदा जाति विभाजन की ओर इशारा करते हुए लोगों से न केवल भगवान श्री राम की पूजा करने बल्कि उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का आग्रह किया। छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह को संबोधित करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, अभी कुछ दिनों पहले 22 जनवरी को भगवान श्री राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा की गई। ये पूरे देश और विश्व के लिए बहुत खुशी और बधाई की बात थी। केजरीवाल ने कहा कि जब रामराज्य की बात की जाती है तो कहा जाता है कि पूरे मानव इतिहास में इस तरह का सुख शांति वाला अच्छा शासन कभी नहीं हुआ।

चुनाव से पहले भाजपा में वापस लौटे जगदीश शेट्टार

बेंगलुरु। लोकसभा चुनाव के पहले भारतीय जनता पार्टी और मजबूत होती नजर आ रही है। जी हां, खबर सामने आ रही है कि कर्नाटक के पूर्व सीएम जगदीश शेट्टार फिर से बीजेपी में शामिल हो गए है। एक समय राज्य के मुख्यमंत्री रहे जगदीश शेट्टार ने विधानसभा चुनाव के पहले बीजेपी का दामन छोड़ दिया था। गुरुवार को एक बार फिर दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में पूर्व सीएम-वरिष्ठ पार्टी नेता बीएस येदियुरप्पा और प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र की मौजूदगी में कर्नाटक के पूर्व सीएम जगदीश शेट्टार फिर से बीजेपी में शामिल हो गए। जानकारी हो कि पिछले साल अप्रैल महीने में उन्होंने बीजेपी छोड़कर कांग्रेस का हाथ पकड़ा था। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के ठीक पहले ही शेट्टार ने बीजेपी से इस्तीफा दे दिया था और कांग्रेस में शामिल हो गए थे। खबरों की मानें तो उन्होंने विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने की वजह से ऐसा किया था।

युवा वोटर्स से बोले प्रधानमंत्री- आपका एक वोट देश की दिशा और दशा तय करेंगे

स्थायी सरकार बड़े निर्णय लेती है : मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवा मतदाताओं से कहा कि वे अपने वोट के जरिए देश की दिशा और दशा तय करेंगे। उन्होंने कहा कि स्थायी सरकार बड़े निर्णय लेती है, हमारी सरकार ने दशकों से लंबित पड़े मुद्दों को हल किया। 10-12 वर्ष पहले जो परिस्थितियां थीं उन्होंने देश के युवाओं का भविष्य अंधकारमय किया। युवा मतदाताओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा मोदी ने कहा कि अतीत में भ्रष्टाचार और घोटाले हेडलाइन बनते थे अब बात विश्वसनीयता और सफलता की कहानियों की होती है। उन्होंने कहा कि यह मोदी की गारंटी है कि आपके सपने मेरा संकल्प हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि परिवार से संचालित होने वाली पार्टियां कभी अन्य युवाओं को आगे बढ़ने का मौका नहीं देतीं, आपको अपने वोटों के जरिए उन्हें पराजित करना है।

नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 18 से 25 वर्ष की आयु ऐसी होती है जब किसी का भी जीवन बहुत से बदलावों का साक्षी बनता है। इन्हीं बदलावों के बीच आप सभी को एक और जिम्मेदारी साथ-साथ निभानी है। ये जिम्मेदारी दुनिया की सबसे बड़ी डेमोक्रेसी में भागीदारी की है। उन्होंने कहा कि ये कालचक्र दो वजहों से बहुत अहम है- पहला, आप सभी ऐसे समय में वोटर बने हैं, जब भारत का अमृतकाल शुरू हुआ है। दूसरा, कल 26 जनवरी को देश अपना 75वां गणतंत्र दिवस मनाएगा। अगले 25 साल आपके लिए भी और भारत के लिए भी दोनों के लिए ही महत्वपूर्ण है।

मोदी ने कहा कि आज जब देश 2047 तक विकसित भारत बनने के लक्ष्य पर काम कर रहा है तो आपका वोट ये तय करेगा कि भारत की दिशा क्या होगी। जिस तरह 1947 से 25 साल पहले भारत के नौजवानों पर देश को स्वतंत्र कराने का दारोमदार था, उसी तरह 2047 तक यानी 25 सालों में आप पर विकसित भारत के निर्माण की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आपका एक वोट और देश की विकास की दिशा दोनों आपस में जुड़े हुए हैं। आपका एक वोट, भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएगा। आपका एक वोट, भारत में एक स्थिर और बड़े बहुमत वाली सरकार लाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि आपका एक वोट, भारत में तेज रिफॉर्म की गति को और तेजी देगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आपका एक वोट, डिजिटल क्रांति को और ऊर्जा देगा। आपका एक वोट, भारत को अपने दम पर अंतरिक्ष में पहुंचाएगा। आपका एक वोट, भारत में पहला पैसेंजर एयरक्रॉफ्ट बनाएगा। आपका एक वोट, दुनिया में भारत की साख और बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि स्थिर सरकार होती है तो देश बड़े फैसले लेता है, दशकों से लटकी हुई समस्याओं को सुलझाकर आगे बढ़ता है। हमारी पूर्ण बहुमत की सरकार ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाकर दशकों का इंतजार खत्म किया। हमारी पूर्ण बहुमत की सरकार ने सेना के जवानों के लिए वन रैंक, वन पेंशन लागू कर देश के पूर्व फौजियों का चार दशक का इंतजार समाप्त किया।

मोदी ने कहा कि हमारी पूर्ण बहुमत की सरकार है जिसने नारी शक्ति वंदन अधिनियम बनाकर देश की महिलाओं का वर्षों पुराना इंतजार खत्म किया। ये हमारी सरकार है जिसने तीन तलाक कानून बनाकर मुस्लिम बहन-बेटियों में इंसाफ की उम्मीद बढ़ाई। ये हमारी सरकार है जिसने तीन दशकों के इंतजार के बाद नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की। ये हमारी सरकार है जिसने एससी, एसटी, ओबीसी का हित सुरक्षित रखते हुए भी गरीब युवाओं के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया। ये हमारी सरकार है जिसको अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी होने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि पहले आए दिन भ्रष्टाचार और घोटाले की खबरें हेडलाइन बनती थी। करोड़ों रुपए के घोटाले सामान्य बात थी। नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमें संतोष है कि हम उस अंधकारमय स्थिति से देश को बाहर निकाल पाए। आज करप्शन की नहीं, क्रेडिबिलिटी की बात होती है। आज स्कैम की नहीं, सक्सेस स्टोरी की बात होती है। उन्होंने कहा कि इसी 22 जनवरी को सरकार ने सोलर से जुड़ी बड़ी योजना का ऐलान किया है। इस योजना के तहत देश के एक करोड़ घरों में सोलर रूफटॉप बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे बिजली बिल तो कम होगा ही, साथ ही जो बिजली पैदा करेंगे सरकार उसे खरीदेगी भी। उन्होंने कहा कि मेरा युवा भारत, स्न्ड्ढद्भड्डद्बह्ल संगठन से जरूर जुड़िए7 आप अपना बात, अपने सुझाव ह्वड्ढ्रह्र ऐप के माध्यम से भी मुझे पहुंचाते रहिए। ह्वड्ढ्रह्र ऐप पर मुझे आने वाले लोकसभा चुनाव में बीजेपी का संकल्प पत्र कैसा होना चाहिए, खासकर युवाओं के लिए उसमें क्या होना चाहिए...इससे जुड़े सुझाव भी आप जरूर भेज सकते हैं।

इंडिया ब्लॉक में तनाव के बीच भारत जोड़ो न्याय यात्रा की बंगाल में एंट्री

अन्याय के खिलाफ लड़ेगा गठबंधन: राहुल

कोलकाता। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि इंडिया ब्लॉक पूरे देश में अन्याय के खिलाफ लड़ेगा क्योंकि पार्टी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मेगा रैली के 12वें दिन पश्चिम बंगाल में प्रवेश कर गई है। उन्होंने कहा, हमने यात्रा में न्याय शब्द जोड़ा है क्योंकि पूरे देश में अन्याय व्याप्त है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा आज सुबह असम से बंगाल के कूच बिहार जिले में प्रवेश कर गई। रैली का बंगाल में प्रवेश मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी, जो कि इंडिया ब्लॉक की एक प्रमुख सदस्य हैं, की घोषणा के एक दिन बाद हुआ कि उनकी पार्टी राज्य में आगामी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी।

राहुल ने लोगों से कहा कि मैं पश्चिम बंगाल आकर खुश हूं। हम यहां आपकी बात सुनने और आपके साथ खड़े होने आए हैं...बीजेपी-आरएसएस नफरत, हिंसा और अन्याय फैला रहे हैं. तो, भारत गठन अन्याय (अन्याय) से मिलकर लड़ने जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरह से पूर्वी राज्य में उनका स्वागत किया गया, उससे वह बहुत खुश हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कूचबिहार जिले के बशीरहाट में यात्रा के पहुंचने पर राहुल गांधी का स्वागत किया। असम के गौरीपुर में अपने रात्रि विश्राम के बाद राहुल गांधी ने राज्य में अपनी यात्रा के आठवें और आखिरी दिन की शुरुआत कुछ दूरी तक एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) के जरिये की और फिर गोलकगंज पहुंचने के लिए बस में सवार हुए।

यात्रा ने पश्चिम बंगाल के उत्तरी भाग में कूचबिहार जिले के बशीरहाट से होते हुए राज्य में प्रवेश किया। झंडा सौंपने के बाद यात्रा कूचबिहार जिले के खागराबारी चौक की ओर बढ़ेगी जहां राहुल गांधी जनसभा को संबोधित करेंगे। तूफानगंज और कूचबिहार शहर से गुजरने के बाद गांधी कूचबिहार में मां भवानी चौक से पदयात्रा करेंगे। यात्रा बस के जरिए घोक्साडांगा में जारी रहेगी इसके बाद रात्रि विश्राम के लिए, अलीपुरद्वार जिले के फालाकाटा पहुंचेगी। 26-27 जनवरी को दो दिन के विराम के बाद यात्रा जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, उत्तर दिनाजपुर और दार्जिलिंग जिलों से गुजरेगी और 29 जनवरी को बिहार में प्रवेश करेगी। इसके बाद यात्रा 31 जनवरी को मालदा के रास्ते पश्चिम बंगाल में फिर से प्रवेश करेगी और मुर्शिदाबाद से होकर गुजरेगी तथा एक फरवरी को राज्य से प्रस्थान करेगी। मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों को राज्य में कांग्रेस का गढ़ माना जाता है।

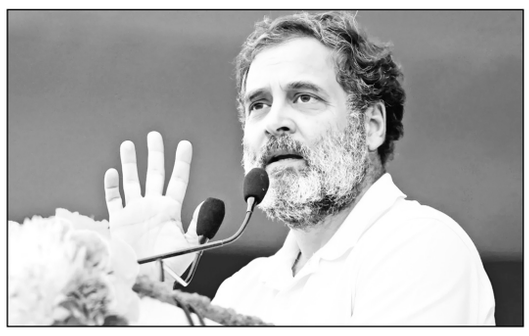

राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल नहीं होंगे नीतीश कुमार

पटना। विपक्षी गुट को एक और झटका देते हुए, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना में राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल नहीं होंगे। गौरतलब है कि गांधी 30 जनवरी को बिहार की राजधानी में एक रैली करने वाले हैं। सूत्रों के मुताबिक, 30 जनवरी को सीएम कुमार के कुछ कार्यक्रम पहले से ही तय हैं। इससे पहले भारत जोड़ो न्याय यात्रा का औपचारिक न्योते देने के लिए बिहार कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने नीतीश कुमार से मुलाकात की थी। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' ने असम के गोलकगंज से गुजरते हुए राज्य में अपनी यात्रा समाप्त की और बृहस्पतिवार को सुबह पश्चिम बंगाल में प्रवेश कर गई। 26-27 जनवरी को दो दिन के विराम के बाद यात्रा जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, उत्तर दिनाजपुर और दार्जिलिंग जिलों से गुजरेगी और 29 जनवरी को बिहार में प्रवेश करेगी। किशनगंज के रास्ते प्रवेश करने वाली यात्रा 30 जनवरी, को पूर्णिया पहुंचेगी जहां राहुल गांधी एक विशाल रैली को संबोधित करेंगे। इसके बाद 31 जनवरी को कटिहार में रैली होगी और 1 फरवरी को अररिया होते हुए यात्रा झारखंड में प्रवेश कर जाएगी।

इससे पहले कहा गया था कि नीतीश कुमार ने 30 जनवरी को पूर्णिया में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में भाग लेने के लिए अपनी सहमति दे दी है, लेकिन राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकते हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

पहला ग्रैंडस्लैम जीतने से एक जीत दूर बोपन्ना

नईदिल्ली। रोहन बोपन्ना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब अपने नाम करने से अब बस एक जीत दूर है जिन्होंने आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के साथ यहां आस्ट्रेलियाई ओपन पुरुष युगल फाइनल में प्रवेश कर लिया। दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी ने थॉमस माचाक और झांग झिझेन की जोड़ी को गुरुवार को तनावपूर्ण सेमीफाइनल में 6.3, 3.6, 7.6 (10.7) से हराया।

करीब दो घंटे तक चले मैच में सुपर टाइ ब्रेकर्स में उनका अनुभव काम आया। झांग विश्व रैंकिंग में 54वें और माचाक 75वें स्थान पर हैं। दोनों एकल रैंकिंग में शीर्ष 100 में होने के साथ बेहद शानदार खिलाड़ी है और उन्होंने बोपन्ना तथा एबडेन को कड़ी चुनौती दी। एक दिन पहले ही बोपन्ना ने विश्व युगल रैंकिंग में शीर्ष स्थान सुनिश्चित किया था। उन्होंने मैच में दमदार सर्विस और स्ट्रोक्स का प्रदर्शन किया। वह 2013 और 2023 में अमेरिकी ओपन फाइनल में पहुंचे हैं लेकिन ग्रैंडस्लैम खिताब नहीं जीत सके। अब 43 वर्ष की उम्र में वह अपना यह सपना पूरा करने से एक जीत दूर हैं।

मैच के बाद बोपन्ना ने कहा ,'' सर्किट पर हमने कई सुपर टाइब्रेकर खेले हैं। हमारे प्रतिद्वंद्वियों का रिटर्न बेहतरीन था जिससे हमें सर्विस मजबूत रखनी थी। एबडेन के साथ मेरा तालमेल अच्छा रहा है।'' इस उम्र में भी सफलता के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा ,'' पर्दे के पीछे काफी तैयारियां चलती रहती है। मेरे साथ एक बड़ी टीम है। मैने अपना फोकस बनाये रखा और फिटनेस पर पूरा ध्यान दिया। मैं सिर्फ योग करता हूं और मुझे लगता है कि मानसिक मजबूती से मदद मिली।'' एबडेन ने कहा कि घरेलू दर्शकों के सामने जीतना खास है। उन्होंने कहा ,'' मैं बहुत खुश हूं। घरेलू दर्शकों के सामने जीतना खास रहा। प्रतिद्वंद्वी काफी खतरनाक थे।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 360 अंक टूटा निफ्टी 21,400 के नीचे

नईदिल्ली। स्थानीय शेयर बाजारों में गुरुवार को गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 360 अंक नीचे आ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी रहने के बीच आईटी शेयरों में बिकवाली से बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 359.64 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 70,700.67 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 741.27 अंक लुढ़क गया था। पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 101.35 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21,352.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा छह प्रतिशत से अधिक नीचे आया। कंपनी का दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 60 प्रतिशत घटकर 510.4 करोड़ रुपये रहने की सूचना के बाद इसका शेयर नीचे आया।

मार्च तक ब्रह्मोस सुपरसॉनिक मिसाइलों का होगा निर्यात

नई दिल्ली। भारत की रक्षा क्षेत्र में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनने की कोशिश में जल्द ही एक और उपलब्धि जुड़ने वाली है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) इस साल मार्च तक ब्रह्मोस सुपरसॉनिक क्रूज मिसाइल का निर्यात शुरू कर देगा। डीआरडीओ प्रमुख समीर वी. कामत ने खुद इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ अगले 10 दिन में ही इन मिसाइलों के ग्राउंड सिस्टम्स का निर्यात शुरू करेगा। इतना ही नहीं डीआरडीओ ने जिन 307 एटीएजीएस बंदूकों को विकसित किया है और जिनका निर्माण भारत फोर्ज और टाटा एडवांस्ड सिस्टम जैसी निजी क्षेत्र की कंपनियां कर रही हैं, उनके लिए भी इस वित्तीय वर्ष के अंत तक विदेश से ऑर्डर आ सकते हैं। डीआरडीओ चेयरमैन ने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल के लिए फिलीपींस के अलावा अन्य देशों ने भी रुचि दिखाई है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए सरकार के रुख पर रहेगी नजर

नई दिल्ली। सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए अंतरिम बजट में कृषि क्षेत्र की प्रमुख योजनाओं के लिए आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकती है और ऋण सुविधा में इजाफा कर सकती है, क्योंकि कृषि क्षेत्र में वृद्धि 2023-24 में एक साल पहले के 4 प्रतिशत की तुलना में घटकर 1.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2024 को अंतरिम बजट पेश करने वाली हैं। यह 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का आखिरी प्रमुख आर्थिक दस्तावेज होगा। 2019 के आम चुनावों से पहले अंतरिम बजट में, सरकार ने पीएम-किसान सम्मान निधि की घोषणा की थी, जिसके तहत छोटे किसानों को सालाना 6,000 रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। चुनावी साल में उम्मीद की जा रही है कि आगामी बजट में सरकार सहायता राशि में इजाफा करने की घोषणा कर सकती है।

एनपीए घटने से बैंकों का मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली। मजबूत कर्ज वृद्धि से चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में तीन सरकारी बैंकों का शुद्ध मुनाफा बढ़ा है। बेहतर प्रावधान से इन बैंकों के एनपीए में भी कमी आई है। हालांकि, यूको बैंक का मुनाफा 23 फीसदी घट गया है। केनरा सरकारी बैंक का शुद्ध मुनाफा तीसरी तिमाही में 29 फीसदी बढ़कर 3,656 करोड़ रुपये पहुंच गया। कुल आय 26,218 करोड़ से बढ़कर 32,334 करोड़ रुपये पहुंच गई। शुद्ध ब्याज आय 9.5 फीसदी बढ़कर 9,417 करोड़ रही है। सकल एनपीए 5.89 फीसदी से घटकर 4.39 फीसदी रह गया। इंडियन बैंक का शुद्ध लाभ 52 फीसदी बढ़कर 2,119 करोड़ रुपये पहुंच गया। कुल आय 13,551 करोड़ से बढ़कर 16,099 करोड़ पहुंच गई। सकल एनपीए 6.53 फीसदी से घटकर 4.47 फीसदी रह गया।

अमीरों का क्लब बन गया है विश्व आर्थिक मंच

अश्विनी महाजन

विगत 15 से 19 जनवरी के बीच विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम) का सम्मेलन दावोस (स्विट्जरलैंड) में संपन्न हुआ, जिसमें आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक और प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बड़ी हस्तियों ने हिस्सा लिया। 60 देशों के शासनाध्यक्षों के अलावा कई बड़ी संस्थाओं के प्रतिनिधि, राजनेता, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रमुख और आर्थिक जगत के अनेकानेक प्रमुख इस सम्मेलन में दिखे। वर्ष 1971 में अस्तित्व में आए इस मंच पर पिछले लगभग 53 साल से व्यापार, भू-राजनीति, सुरक्षा, सहकार, ऊर्जा से लेकर पर्यावरण और प्रकृति समेत अनेक मुद्दों पर चर्चा होती रही है, लेकिन उसके पीछे बहुराष्ट्रीय कंपनियों का अपना एजेंडा होता है।

इस वर्ष पांच दिन तक चले इस सम्मेलन में जिन मुद्दों पर चर्चा हुई, उनका सामान्य जन से कोई खास सरोकार दिखाई नहीं देता। मसलन, एक सत्र में इस बात पर चर्चा हुई कि दुनिया में व्यापार और निवेश कथित रूप से कुशल साझेदारी के बजाय मित्रता के आधार पर हो रहा है। रूस-यूक्रेन संघर्ष, इस्राइल-हमास युद्ध आदि स्थितियों के कारण उनके निवेश प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए उनमें चिंता व्याप्त है। इस मंच पर जिन 60 शासनाध्यक्षों ने भाग लिया, वे सभी वैश्विक भू-राजनीति में उथल-पुथल से चिंतित दिखे। बेशक उनकी चिंता वाजिब है, लेकिन आर्थिकी की चर्चा करते समय उनका ध्यान मुल्कों के बीच असमानताओं और दुनिया में गरीबी, निरक्षरता और बेरोजगारी की तरफ नहीं था। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर बात तो हुई, लेकिन समाधान के लिए बैश्विक नेताओं में कोई विशेष इच्छाशक्ति दिखाई नहीं दी।

पिछले कई पर्यावरण सम्मेलनों से यह स्पष्ट हो रहा है कि आज पर्यावरण पर चर्चा से ज्यादा समाधान की जरूरत है। कई वर्ष पहले विकसित देशों ने वादा किया था कि वे पर्यावरण समस्या से निपटने के लिए हर वर्ष 100 अरब अमेरिकी डॉलर की सहायता देंगे। लेकिन वह सहायता दूर-दूर तक कहीं नजर नहीं आ रही। उसी तरह से बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी अपने पास उपलब्ध प्रौद्योगिकी बिना भारी शुल्क लिए साझा करने को तैयार नहीं हैं। जो लोग दावोस बैठक में हिस्सा लेने आए, उन्होंने बिगड़ते पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से तबाही की आशंकाओं पर चर्चा तो की, लेकिन विडंबना देखिए कि उनमें से अधिकांश अपने-अपने निजी विमान से आए। जाहिर है, उससे जितनी कार्बन का उत्सर्जन हुआ, उससे वे उदासीन थे।

एक हजार बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा पोषित यह मंच अपने सम्मेलनों में हिस्सा लेने वालों से फीस के रूप में मोटी रकम वसूलता है, जिसका मतलब है कि इसे सर्वसमावेशी मंच नहीं कहा जा सकता है। इसे दुनिया की उन विशालकाय कंपनियों का ही मंच कहा जा सकता है, जिनके पैसे से इसका काम चलता है। यदि वास्तव में वे दुनिया के समक्ष मौजूद समस्याओं के प्रति संवेदनशील होते, तो इसमें भाग लेने के लिए भारी-भरकम शुल्क की अनिवार्यता नहीं होती, बल्कि हाशिये पर खड़े समुदायों, पिछड़े समाजों के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं और सामान्य लोगों को भी इसमें हिस्सेदारी के लिए आमंत्रित किया जाता। शासनाध्यक्षों, सरकारों में बड़े मंत्रियों और बड़ी कंपनियों के चहेते चुनिंदा बुद्धिजीवियों की उपस्थिति इन कंपनियों के एजेंडे को वैधता प्रदान करती है। ये बहुराष्ट्रीय कंपनियां मानवता और विश्व कल्याण को चाहे कितनी भी बातें करें, इनका असली चेहरा इस सदी की सबसे बड़ी महामारी के दौरान देखने को मिला, जब फाइजर कंपनी ने अप्रभावी वैक्सीन जान बूझकर दुनिया भर में बेची। कंपनी को भली-भांति मालूम था कि उनकी वैक्सीन प्रभावी नहीं है, उसके बावजूद वह अमेरिकी सरकार के जरिये भारत पर भी दबाव बना रही थी। पिछले वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम (2023) में जब पत्रकारों द्वारा फाइजर कंपनी के प्रमुख से इस बाबत पूछा गया, तो वह कुछ बोलने के लिए तैयार नहीं हुए। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि 'गैट' समझौतों में अधिकांश समझौते बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दबाव में हुए।

गणतंत्र दिवसः राज्यपाल पुलिस ग्राउंड में आज करेंगे ध्वजारोहण

मुख्यमंत्री बस्तर उपमुख्यमंत्रीद्वय बिलासपुर, दुर्ग में फहराएंगे झंडा ■ 39 लोगों को मिलेगा पुलिस सम्मान

रायपुर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह राजनांदगांव तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर में आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण करेंगे।

इसी प्रकार उपमुख्यमंत्री अरूण साव बिलासपुर में तथा उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा दुर्ग में आयोजित में ध्वजारोहण करेंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल महासमुंद, आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम बलरामपुर-रामानुजंगज जिले में, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल बेमेतरा, वनमंत्री केदार कश्यप नारायणपुर, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन कोरबा, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में ध्वजारोहण करेंगे। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी रायगढ़, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े सरगुजा संभाग के मुख्यालय अंबिकापुर, राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में, सांसद गुहा राम अजगले सक्ती, सांसद विजय बघेल बालोद, सांसद मोहन मण्डावी कांकेर, सांसद सुनील सोनी सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में, सांसद संतोष पाण्डेय खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में, सांसद चुन्नी लाल साहू गरियाबंद, विधायक धरमलाल कौशिक मुंगेली, विधायक श्री अमर अग्रवाल जांजगीर-चांपा जिले तथा विधायक अजय चंद्राकर धमतरी में ध्वजारोहण करेंगे।

अपने जिले में विधायक करेंगे ध्वजारोहण

इसी तरह विधायक श्रीमती रेणुका सिंह सूरजपुर, विधायक भईया लाल राजवाड़े कोरिया जिले के मुख्यालय बैकुण्ठपुर, विधायक श्रीमती गोमती साय जशपुर, विधायक श्रीमती लता उसेंडी कोण्डागांव, विधायक विक्रम उसेंडी बीजापुर, विधायक श्रीमती भावना बोहरा कबीरधाम, विधायक श्री नीलकंठ टेकाम सुकमा, विधायक चौतराम अटामी दंतेवाड़ा, विधायक प्रवीण कुमार मरपची गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में और विधायक आशाराम नेताम मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में ध्वजारोहण करेंगे।

अधिकारियों और कर्मचारियों को पुलिस वीरता पदक

केन्द्र सरकार की तरफ से गणतंत्र दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग के 39 अधिकारियों और कर्मचारियों को पुलिस वीरता पदक, विशिष्ट सेवा पदक और सराहनीय सेवा पदक से विभूषित किये जाने की घोषणा की गई है। राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 39 पुलिस कर्मियों में से 26 को सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस वीरता पदक, 2 को विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक और सराहनीय सेवाओं के लिए 11 कर्मचारियों को पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा।

इनका होगा सम्मान

हेमन्त कुमार पटेल, उप निरीक्षक, बलौदाबाजार, श्री मालिक राम, निरीक्षक, कांकेर, सुक्कू राम नाम, सउनि, नारायणपुर, संतोष चंदन, प्रधान आरक्षक, नारायणपुर, साकेत कुमार बंजारे, उप निरीक्षक हाल निरीक्षक बीजापुर, भुवन सिंह बोरा, प्लाटून कमाण्डर हाल कंपनी कमाण्डर 21वीं वाहिनी, छसबल, बालोद, संजय पाल, उप निरीक्षक, बीजापुर, धरम सिंह तुलावी, उप निरीक्षक, बीजापुर, विरेन्द्र कंवर, उप निरीक्षक, बीजापुर, पतिराम पोड़ियामी, उप निरीक्षक, बीजापुर, दिलीप कुमार वासनिक, प्लाटून कमाण्डर, एसटीएफ, शहीद रमेश जुर्री, प्रधान आरक्षक, बीजापुर, शहीद रमेश कोरसा, आरक्षक, बीजापुर, शहीद सुभाष नायक, आरक्षक, बीजापुर, शहीद रामदास कोर्राम, आरक्षक, एसटीएफ, शहीद जगतराम कंवर, आरक्षक, एसटीएफ, शहीद सुख सिंह, आरक्षक, एसटीएफ, शहीद रमाशंकर सिंह, आरक्षक, एसटीएफ, शहीद शंकर नाग, आरक्षक, एसटीएफ, शहीद किशोर एण्ड्रिक, सहायक आरक्षक, बीजापुर, शहीद सनकूराम सोढ़ी, सहायक आरक्षक, बीजापुर, शहीद बोसाराम करटामी, सहायक आरक्षक, बीजापुर, धरम सिंह तुलावी, उप निरीक्षक, बीजापुर, शिव कुमार रामटेके, प्रधान आरक्षक, बीजापुर, छन्नू राम पोयाम, आरक्षक, बीजापुर, गौतम कोरसा, आरक्षक बीजापुर को पुलिस वीरता पदक विशिष्ट सेवाओं के लिए अमित कुमार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, गुप्तवार्ता, पु.मु नवा रायपुर, श्री कन्हैया लाल ध्रुव, पुलिस उप महानिरीक्षक, नक्सल अभियान मु.मु. नवा रायपुर को राष्ट्रपति पुलिस पदक प्रदान किया जाएगा। इसी तरह सराहनीय सेवाओं के लिए श्री डी.आर. आंचला, सेनानी, 14वीं वाहिनी, छसबल, धनोरा, जिला बालोद, श्रीमती नेहा पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, श्रीमती येशेश्वरी येरेवार, उप पुलिस अधीक्षक, एसबी, पु.मु. रायपुर, टीकाराम कुर्रे, सहायक सेनानी, 22वीं वाहिनी, भीरागांव, कांकेर, श्री महेश शुक्ला, एपीसी, 6वीं वाहिनी, छसबल, रायगढ़, जेम्स लकड़ा, कंपनी कमाण्डर, 2री वाहिनी, छसबल, सकरी-बिलासपुर, ओम प्रकाश साहू, उप निरीक्षक-अ, पु.मु. नवा रायपुर, उदय सिंह सिदार, प्रधान आरक्षक, 15वीं वाहिनी, बीजापुर, महेन्द्र कुमार पाठक, उप निरीक्षक, हाल जिला नारायणपुर, मनोज कुमार साहू, सहायक उप निरीक्षक, जिला बस्तर, श्री देवी शरण सिंह, प्रधान आरक्षक, विआशा, पु.मु. नवा रायपुर को सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से विभूषित किया जाएगा। पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने पदक से विभूषित सभी पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

शिक्षा ही विकास का मूल मंत्रः देव साय

जगदलपुर में जीर्णोद्धार के बाद ज्ञानगुड़ी केंद्र का लोकार्पण

विज्ञान की शिक्षा के लिए नए विज्ञान शाला का भी हुआ शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज बस्तर प्रवास पर जगदलपुर के धरमपुरा में 25 लाख रुपए लागत से निर्मित ज्ञानगुड़ी तथा 45 लाख रुपए से नवनिर्मित विज्ञान शाला का लोकार्पण करने के पश्चात ज्ञानगुड़ी के स्मार्ट क्लास रूम एवं विज्ञान शाला का अवलोकन किया। इस दौरान वे ज्ञानगुड़ी में अध्ययनरत बच्चों से रूबरू हुए। उन्होंने बच्चों को छेरछेरा पुन्नी और गणतंत्र दिवस की अग्रिम बधाई देते हुए उन्हें पूरी लगन एवं मेहनत के साथ पढ़ाई करने प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने ज्ञानगुड़ी के बच्चों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि शिक्षा ही विकास का मूल मंत्र है। शिक्षा केवल डिग्री लेकर नौकरी पाना नहीं है बल्कि अच्छा समाजसेवक बनने, अच्छा व्यवसाय करने, अच्छी खेती-किसानी करने सभी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा की अहम भूमिका है।

मेडिकल कॉलेज में सीट बढ़ाने का आश्वासन

ऐश्वर्या नायर के पूछने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले भी डॉ. रमन सिंह की सरकार ने सुदूर ग्रामीण इलाकों में शिक्षा के लिए बहुत काम किया था, बस्तर संभाग में एजुकेशन हब बनाये, जिसे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी देखकर सराहना की। अब चौथी बार फिर से हमारी सरकार बनी है तो इस दिशा में और अच्छा प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री ने अंकिता ठाकुर के सुझाव पर जगदलपुर मेडिकल कॉलेज में सीट बढ़ाने के लिए विचार करने आश्वस्त किया।

तनाव मुक्त होकर करें परीक्षा की तैयारी

मुख्यमंत्री ने कंचन यादव के छत्तीसगढ़ी में पूछे सवाल परीक्षा के भय को कम करने के बारे में कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जो छात्र-छात्राओं से निरन्तर चर्चा कर उन्हें पढ़ाई और परीक्षा के लिए मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। इसी कड़ी में आगामी 29 जनवरी को फिर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी छात्र-छात्राओं से रूबरू होकर परीक्षा पर चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री ने तनावमुक्त होकर बिना डर या भय के अपने लक्ष्य को पाने के लिए परीक्षा की तैयारी करने बच्चों को प्रेरित किया।

नई शिक्षा नीति से आएगा बदलाव

मुख्यमंत्री ने ज्ञानगुड़ी के बच्चों से अपनी बात साझा करते हुए कहा कि अब तक लार्ड मैकाले की अंग्रेजी शिक्षा नीति लागू थी, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नई शिक्षा नीति से शिक्षा में बहुत बदलाव आएगा। इससे बच्चों को डिजिटल शिक्षा सहित व्यवहारिक और व्यवसायिक शिक्षा मिलेगी और बच्चे भविष्य में स्व-रोजगार एवं उद्यम की ओर अग्रसर होंगे।

वहीं नई शिक्षा नीति में खेलकूद सहित योग और शारीरिक शिक्षा की सुविधा प्रदान की जायेगी। इस नवीन शिक्षा नीति से बच्चों के पालकों पर दबाव कम होगा।

श्रम कानूनों का उल्लंघन करना पड़ा भारी, आरसी इंडस्ट्रीज के अधिभोगी को सुनाई दो साल की सजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार श्रम न्यायालय ने श्रम कानूनों की धज्जियां उड़ाने वाले एक फैक्ट्री के अधिभोगी को न सिर्फ दो साल की सजा सुनाई अपितु दस लाख का अर्थदंड भी ठोका है. जानकारी के मुताबिक, रायपुर छग राज्य औद्योगिक न्यायालय रायपुर ने दोंदेखुर्द स्थित आरसी कास्टिंग इण्डस्ट्रीज के अधिभोगी योगेश गुप्ता को कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 92 एवसं 96-ए के तहत दोषी पाते हुए 2 वर्ष की साधारण कारावास एवं दस लाख रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है. विदित हो कि योगेश गुप्ता आरसी कास्टिंग इण्डस्ट्रीज दोंदेखुर्द के मालिक हैं.

उनके कारखाने का निरीक्षण औद्योगिक स्वास्थ एवं सुरक्षा के अधिकारी ने 20.11.2014 को किया था, तब उन्होंने पाया था कि कारखाने के अधिभोगी योगेश गुप्ता ने ठेका श्रमिकों से संबंधित संवैतानिक अवकाश नहीं रखा था. खतरनाक प्रक्रिया में नियोजित श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण नहीं कराया था. श्रमिकों को बगैर सुरक्षा उपकरण सेफ्टी शूज, हेल्मेट, नोज मास्क एवं हैण्ड ग्लोब्ज के बिना कार्य कराया गया था. कारखाना के अधिभोगी योगेश गुप्ता ने व्यवसायजन्य हेल्थ सेंटर कारखाने में नहीं बनाया गया था.

शिक्षक भर्ती में गड़बड़ी, शिक्षा मंत्री ने जांच के दिए आदेश

रायपुर. पूर्व सरकार में शिक्षक भर्ती में गड़बड़ी करने वालों अब जल्द ही गाज गिरने वाली है. इस मामले की जांच के आदेश शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने दे दिया है. मंत्री बृजमोहन ने कहा, एक-एक शिकायत की जांच कराएंगे. दोषियों को नहीं बख्शा जाएगा. शिक्षा मंत्री बृजमोहन ने कहा, कुछ शिकायतों पर जांच के लिए निर्देश दिया है. और भी शिकायत मिलेगी तो जांच के निर्देश दिए जाएंगे. जांच में चाहे कोई भी दोषी हो, किसी को नहीं बख्शा जाएगा. दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी. भर्ती में विषय बाध्यता खत्म किया गया है, इसे लेकर मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, इसकी जानकारी लेकर आगे कार्रवाई की जाएगी. बता दें कि कांग्रेस सरकार में 14580 और 12289 शिक्षक का पोस्ट निकाला गया था.

प्रदेश में बुलडोजर की एंट्री,अयाज खान के अवैध कब्जा जमींदोज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के भयमुक्त शासन देने के वादे तथा अपराध के प्रति जीरो टालरेंस की नीति पर चलते हुए प्रदेश में आपराधिक गतिविधियों में लगे लोगों और गैरकानूनी कार्यों में लगे अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। कवर्धा शहर से लगे हुए लालपुर में 20 जनवरी की दरम्यानी रात को चरवाहे साधराम यादव की हत्या के मामले में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कड़ी कार्रवाई के निर्देश प्रशासन को दिये थे। प्रशासन ने निर्देश मिलने के अगले ही दिन पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। प्रशासन ने साधराम के हत्या के आरोपी अयाज खान के कवर्धा में वार्ड 18 में किये गये अवैध कब्जे को गुरुवार को जमींदोज कर दिया। अयाज खान ने अपने घर में अवैध निर्माण कर आटा चक्की की दुकान खोली थी। प्रशासन की टीम आज यहां पहुँची और अवैध कब्जा जमींदोज कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि इस मामले में श्री यादव की गला रेतकर निर्मम तरीके से हत्या की गई थी। उपमुख्यमंत्री के निर्देश के पश्चात 24 घंटे के भीतर ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मामले के संज्ञान में आते ही उप मुख्यमंत्री शर्मा ने निर्देश दिये थे कि आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई हो।

लोकतंत्र की सफलता में मतदाताओं की भूमिका अहमः न्यायमूर्ति शर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रमुख लोकायुक्त न्यायमूर्ति श्री टी पी शर्मा ने कहा है कि लोकतंत्र को निरंतर सुदृढ़ करने और लोकतंत्र की सफलता में मतदाताओं की सशक्त तथा अहम भूमिका है।

14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि अपने मताधिकार का उपयोग करना मतदाताओं का अधिकारी भी है और कर्तव्य भी। इंदिरा गांधी कृषि महाविद्यालय रायपुर के विवेकानंद सभागार में आयोजित समारोह में कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री पी एस ध्रुव, जिला निर्वाचन अधिकारी रायपुर श्री गौरव कुमार सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

न्यायमूर्ति श्री टी. पी. शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के साथ साथ शहरी क्षेत्रों में भी मतदान के प्रति जागरूकता बढ़नी चाहिए । उन्होंने कहा कि

जरूरत इस बात की है कि हम मतदान के अपने लोकतांत्रिक कर्तव्य के महत्व को स्वयं समझे और साथ ही अन्य लोगों को भी जागरूक करें।

राज्य स्तरीय समारोह की अध्यक्षता कर रहे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि युवाओं में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ी है जो आश्वस्त करता है कि देश में लोकतंत्र आने वाले दिनों में और सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में लगातार पारदर्शिता बढ़ती जा रही है जो यह भी आश्वस्त करती है आम मतदाताओं की भूमिका बढ़ रही है। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने सभी उपस्थित लोगों को मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलाई।

न्यायमूर्ति श्री टी पी शर्मा एवं कुलपति डॉ गिरीश चंदेल ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर कृषि महाविद्यालय परिसर में मतदाता जागरूकता पर आधारित एक दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

प्रदर्शनी में प्रदेशभर में आयोजित किए जाने वाले मतदाता जागरूकता अभियानों पर आधारित छायाचित्रों को प्रदर्शित किया गया है।

राज्य स्तरीय समारोह के दौरान निर्वाचन कार्यों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

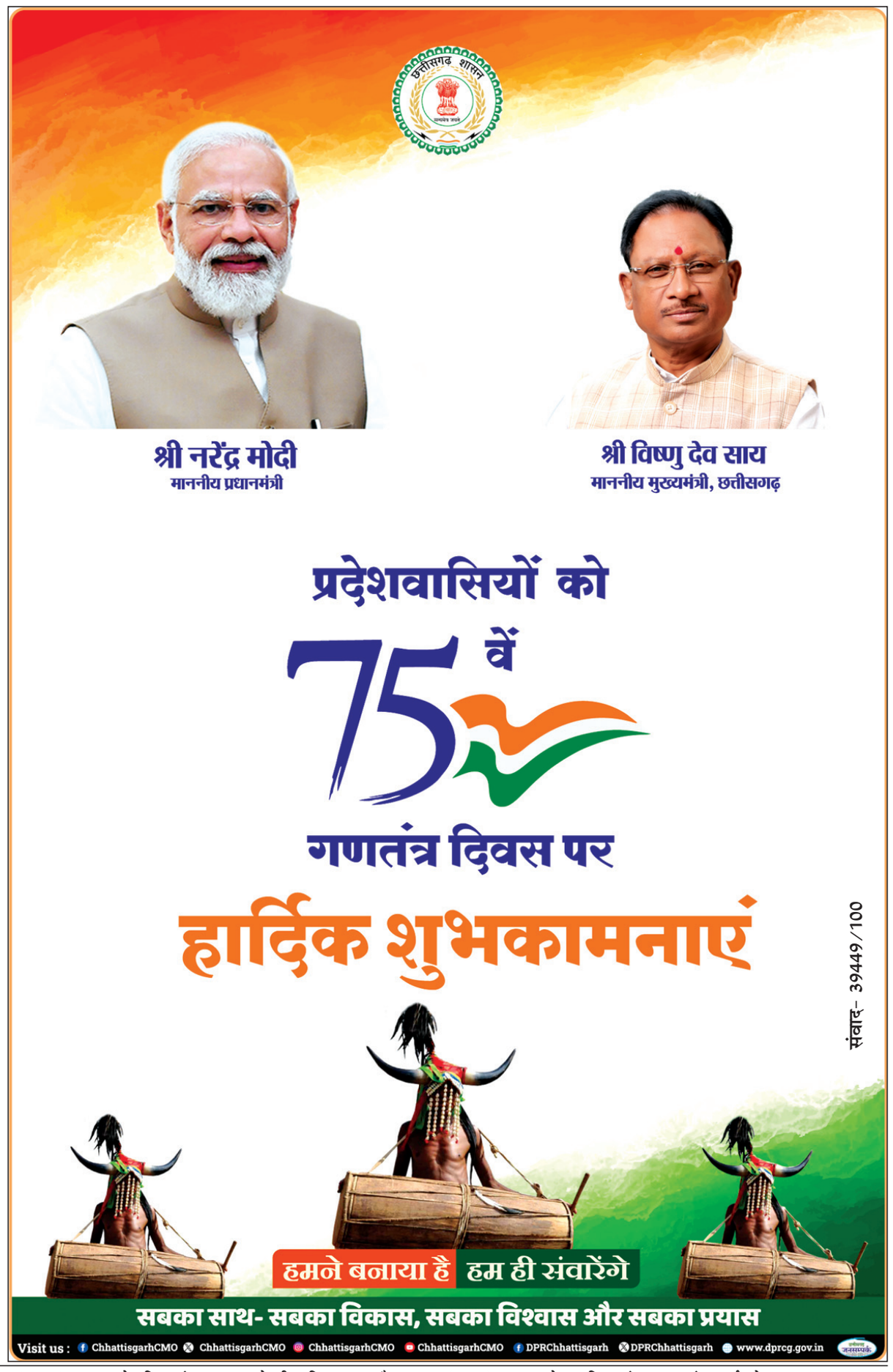

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में 25 जनवरी को 14 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर रायपुर रेल मंडल के अधिकारियों कर्मचारियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलाई इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा)आशीष मिश्रा एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) आर के साहू, मंडल कार्मिक अधिकारी (प्रभारी) राहुल गर्ग सहित रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। हम, भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाये रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगें। की शपथ दिलाई। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर रायपुर रेल मंडल के अन्य उपक्रम डीजल लोको शेड, इलेक्ट्रिक लोको शेड, मंडल रेलवे हॉस्पिटल, कोचिंग डिपो दुर्ग, पीपी यार्ड भिलाई में भी रेलवे अधिकारियों कर्मचारियों ने मतदाता शपथ ली।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.